वर्ष :-04
अंक:-271
मुरादाबाद
21 January 2025
(Tuesday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

दैनिक
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
क्यूँ न लिखूँ सच
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स में भरा जोश, कहा- 2047 तक विकसित भारत बनाने में दें योगदान

दिल्ली छावनी में गणतंत्र दिवस को लेकर चल रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के शिविर के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मुझे एनसीसी कैडेटों में भारत की छवि नजर आती है। कैडेटों की ऊर्जा और उत्साह दर्शाता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और होगा।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को एनसीसी कैडेट्स में जोश भरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी एनसीसी कैडेट रहे हैं।

पीएम मोदी ने विकसित भारत बनाने लक्ष्य तय किया है। कैडेट्स को उनके लक्ष्य को पूरा करने में सहयोग करना चाहिए। रक्षा मंत्री ने एनसीसी कैडेट्स से भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने के लिए कहा। दिल्ली छावनी में गणतंत्र दिवस को लेकर चल रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के शिविर के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कैडेटों और अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुझे एनसीसी कैडेटों में भारत की छवि नजर आती है। एनसीसी कैडेट के अनुशासन और एकता की रक्षा मंत्री ने सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में शरीर अनेक हैं, पर आत्मा एक है। शाखाएं अनेक हैं मगर जड़ एक है। किरणें अनेक हैं, मगर प्रकाश एक है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि राजनीति में आने से पहले वह स्वयं एक छात्र, एनसीसी के कैडेट और भौतिकी के शिक्षक थे। कैडेटों की ऊर्जा और उत्साह दर्शाता है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व की गुणवत्ता और अनुशासन को बढ़ावा देती है। गणतंत्र दिवस शिविर में भाग ले रहे 2361 कैडेट-दिल्ली छावनी में 30 दिसंबर से चले गणतंत्र दिवस शिविर में देश भर से कुल 2,361 एनसीसी कैडेट भाग ले रहे हैं। यह शिविर 27 जनवरी को प्रधानमंत्री की रैली के साथ समाप्त होगा। इस वार्षिक कार्यक्रम में 917 बालिका कैडेट भी भाग ले रही हैं। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति होंगे मुख्य अतिथि- इस साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांटो शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर प्रबोवो 25 और 26 जनवरी को भारत में रहेंगे। पहले खबर थी कि प्रबोवो भारत के बाद पाकिस्तान के दौरे पर जाने वाले हैं। हालांकि अब इंडोनेशियाई राष्ट्रपति पाकिस्तान नहीं जाकर मलेशिया की यात्रा करने वाले हैं।

संक्षिप्त समाचार

69000 शिक्षक भर्ती: 25 जनवरी से फिर आंदोलन शुरू करेंगे अभ्यर्थी, सरकार पर लगाया लापरवाही का आरोप

69000 शिक्षक भर्ती मामले में अभ्यर्थियों ने 25 जनवरी से आंदोलन शुरू करने का आह्वान किया है। अभ्यर्थियों का कहना है कि मामले में सरकार लापरवाही कर रही है।69000 शिक्षक भर्ती मामले में एक बार फिर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने आंदोलन का आह्वान किया है। यह आंदोलन गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व 25 जनवरी से शुरू होगा। इस आंदोलन में उत्तर प्रदेश के लगभग सभी जिलों से 6000 से अधिक महिला व पुरुष अभ्यर्थी शामिल होंगे। यह जानकारी अभ्यर्थियों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेंद्र पटेल ने दी।अमरेंद्र पटेल का कहना है कि 69000 शिक्षक भर्ती मामले में लखनऊ हाईकोर्ट की डबल बेंच ने आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के पक्ष में फैसला सुनाया था और सरकार को तीन महीने के अंदर फैसले का पालन किए जाने का आदेश दिया था लेकिन सरकार की लापरवाही की वजह से अभी तक फैसला का पालन नहीं हो सका और यह मामला सुप्रीम कोर्ट में चला गया। सुप्रीम कोर्ट में भी सरकार अपना पक्ष रखने में देरी कर रही है, जिसकी वजह से मामला लटकता चला जा रहा है।25 जनवरी के आंदोलन के माध्यम से हम सरकार से यही मांग करेंगे कि वह सुप्रीम कोर्ट में जल्द से जल्द सुनवाई कराये और मामले को निस्तारित करें क्योंकि हम आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी पिछले 4 साल से दर-दर की ठोकर खा रहे हैं

अजित पवार बोले- सांप्रदायिकता फैलाने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे, NCP में शामिल नहीं होंगे दागी

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने आज जालना में राकांपा के जिला कार्यालय का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जो समुदायों के बीच नफरत फैलाए और बांटने की राजनीति करे महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) धर्मनिरपेक्ष राजनीति में भरोसा करती है और राज्य में सांप्रदायिकता फैलाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र हमेशा प्रगतिशील विचार और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। एकता और धर्मनिरपेक्षता के लिए खड़ी है। राकांपा दागी या खराब छवि वाले लोग राकांपा में नहीं होंगे शामिल- जालना में राकांपा के जिला कार्यालय का उद्घाटन करते वक्त अजित पवार ने कहा, हम ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो विभिन्न समुदायों में नफरत फैलाए और बांटने की राजनीति करे। उन्होंने कहा कि राकांपा में खराब छवि वाले या दागी लोगों को शामिल नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा, मैं पार्टी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि वे हमारी पार्टी में दागी लोगों को शामिल न करें।माझी लड़की बहिन योजना को लेकर कही ये बात- इसके अलावा, अजित पवार ने माझी लड़की बहिन योजना के लिए जो महिलाएं पात्र नहीं हैं, उनसे अपील की कि वे स्वेच्छा से योजना का लाभ छोड़ दें। उन्होंने कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से पिछड़ी महिलाओं के लिए है। पवार ने कहा, जो लोग आयकर का भुगतान करते हैं, वे भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं। उन्हें स्वेच्छा से इस लाभ को छोड़ देना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि पात्र लाभार्थियों को अगले महीने से उनके मासिक भत्ते मिलेंगे। ईवीएम को लेकर विपक्षी दलों पर साधा निशाना- इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर उन्होंने विपक्षी पर दोहरे रुख का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब विपक्ष दल कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में चुनाव जीतते हैं तो ईवीएम की तारीफ करते हैं, लेकिन जब हारते हैं तो उन्हीं मशीनों पर आरोप लगाते हैं। पवार ने राकांपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहें।

'बेटे को अपने पिता को दफनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट आना पड़ रहा है, ये दुखद', सुप्रीम कोर्ट ने जताई नाराजगी

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने रमेश बघेल नामक याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। रमेश बघेल ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि एक बेटे को अपने पिता को दफनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट आना पड़ रहा है, ये बेहद दुखद है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने रमेश बघेल नामक याचिकाकर्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। रमेश बघेल ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दरअसल उच्च न्यायालय ने रमेश के पिता को, जो कि एक ईसाई पादरी थे, गांव के कब्रिस्तान में दफनाने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि एक व्यक्ति को, जो उस गांव में रहा, उसे मृत्यु के बाद गांव के कब्रिस्तान में दफनाने क्यों नहीं दिया जा रहा है? शव बीती 7 जनवरी से मोर्चरी में रखा हुआ है। ये कहते हुए दुख हो रहा है कि एक व्यक्ति को अपने पिता को दफनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट आना पड़ रहा है। न तो पंचायत, न ही राज्य सरकार या उच्च न्यायालय कोई भी इस समस्या को सुलझा नहीं सका। हम उच्च न्यायालय की टिप्पणी से भी हैरान हैं कि इससे कानून व्यवस्था खराब होती।%बघेल ने याचिका में कहा है कि गांव के लोगों ने उसके पिता को दफनाने का आक्रामक तरीके से विरोध किया। राज्य सरकार की तरफ से अदालत में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि गांव में ईसाईयों के लिए कोई कब्रिस्तान नहीं है और शव को गांव से 20 किलोमीटर दूर एक कब्रिस्तान में दफनाया जा सकता है। बघेल की तरफ से अदालत में पेश हुए वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजाल्वेस ने दलील दी कि उसके परिवार के अन्य सदस्यों को गांव के ही कब्रिस्तान में दफनाया गया है, लेकिन मृतक ईसाई है, इसलिए उसे दफनाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। इस पर तुषार मेहता ने कहा कि मृतक का बेटा गांव के ही कब्रिस्तान में पिता के शव को दफनाने पर अड़ा है और इससे आदिवासी हिंदू और आदिवासी ईसाई समुदाय के बीच वैमनस्य पैदा हो सकता है। मेहता ने कहा कि इस मामले पर भावनाओं के आधार पर फैसला नहीं लिया जाना चाहिए और वे इस पर बहस के लिए तैयार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई अब 22 जनवरी तक के लिए टाल दी है। इस मामले में ग्राम पंचायत का कहना है कि गांव में ईसाईयों का कब्रिस्तान नहीं है, वहीं याचिकाकर्ता का दावा है कि गांव में ईसाईयों के लिए कब्रिस्तान है और इसके लिए मौखिक तौर पर जगह आवंटित की गई थी। अब गांव के लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चाचा के निधन के बाद हुआ शांति यज्ञ, पूरा परिवार एकजुट दिखा

पूर्व सीएम अखिलेश यादव के चाचा राजपाल यादव के निधन के बाद उनकी आत्मा की शांति के लिए शांति यज्ञ कराया गया। जिसमें यादव कुनबा एकसाथ नजर आया।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चाचा और इटावा जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव उर्फ अंशुल यादव के पिता राजपाल यादव के निधन के बाद उनकी आत्मा की शांति के लिए सोमवार को सैफई स्थित आवास पर शांति यज्ञ का आयोजन किया गया। हजारों लोगों ने आहुति देकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।शांति यज्ञ में अखिलेश यादव के साथ उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव, चाचा शिवपाल सिंह यादव, अभयराम सिंह यादव, सांसद धर्मेंद्र यादव, विधायक तेज प्रताप सिंह यादव, सांसद आदित्य यादव, सांसद अक्षय यादव, डॉ. अजंट सिंह यादव, अपर्णा यादव, अनुराग यादव, आर्यन यादव, कार्तिकेय यादव और अर्जुन यादव सहित परिवार के अन्य सदस्य शामिल हुए। शांति यज्ञ का आयोजन केंद्रीय समाज सेवा समिति के आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ किया गया। कार्यक्रम सुबह 8 बजे पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ। इसके बाद 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक हवन संपन्न हुआ। इसमें आचार्य इंद्रपाल आर्य, रामदेव आचार्य, विनेश शास्त्री, श्याम सिंह, सत्य सिंह, रणवीर सिंह, सत्यप्रकाश और जगराम आचार्य ने विधि-विधान से हवन कराया। हवन के उपरांत श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसके बाद शांति यज्ञ में शामिल आचार्यों को ब्रह्मभोज कराया गया।गौरतलब है कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चाचा राजपाल यादव का 9 जनवरी को बीमारी के चलते गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया था। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार सैफई में किया गया था। सोमवार को 11 वें दिन यह शांति यज्ञ आयोजित किया गया। शांति यज्ञ में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और क्षेत्रीय गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें पूर्व राज्य मंत्री रामसेवक यादव, पूर्व राज्य मंत्री सुभाष चंद्र यादव, पूर्व विधायक सोबरन सिंह यादव, एमएलसी मुकुल यादव, सांसद जितेंद्र दोहरे, आशीष राजपूत आदि शामिल रहे।

प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति पर रोक से उठे सवाल, संजय राउत बोले- यह महायुति में कलह का संकेत

महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को 36 जिलों के प्रभारी मंत्री नियुक्त किए थे। इसके अगले ही दिन रायगढ़ और नासिक में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति रोकने का आदेश जारी किया गया। इस पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि महायुति सरकार का प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति में अचानक बदलाव करना गठबंधन में कलह का संकेत है। महाराष्ट्र में नासिक और रायगढ़ में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति अचानक रोके जाने पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि महायुति सरकार का प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति में अचानक बदलाव करना गठबंधन में कलह का संकेत है। राउत ने कहा कि सरकार आंतरिक गतिरोध को संभालने में विफल रही है। प्रभारी मंत्रियों को जिलों के आवंटन पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गुस्सा स्पष्ट है। अब उनके अधिकार पर सवाल उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गठबंधन में बढ़ती कलह से सत्ता की गतिशीलता में बदलाव आ सकता है।हालांकि उन्होंने एकनाथ शिंदे की जगह औद्योगिक मंत्री और शिवसेना नेता उदय सामंत को तैयार किए जाने की संभावना जताई। संजय राउत ने कहा कि ऐसा लगता है कि उदय सामंत को शिंदे की जगह तैयार किया जा रहा है। अगर शिंदे अपने मंत्रियों को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं तो वह कैसे नेतृत्व कर सकते हैं। एक दिन बाद ही रोकी नियुक्ति-महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को 36 जिलों के प्रभारी मंत्री नियुक्ति किए थे। इनमें एनसीपी की अदिति तटकरे को रायगढ़ और भाजपा नेता गिरीश महाजन को नासिक का प्रभारी मंत्री बनाया गया था। इसके अगले ही दिन रायगढ़ और नासिक में प्रभारी मंत्रियों की नियुक्ति रोकने का आदेश जारी किया गया। इसे लेकर ऐसा लगा कि महायुति गठबंधन में एकमत नहीं है। इस मामले में संजय राउत ने महायुति सरकार को घेरा। शिंदे दारेगांव रवाना- सूत्र बताते हैं कि प्रभारी मंत्रियों की तैनाती को लेकर चल रहे गतिरोध के बीच एकनाथ शिंदे अपने चार दिवसीय दौरे के लिए अचानक दारेगांव रवाना हो गए। शिंदे ने निजी कारणों का हवाला दिया है। जबकि राजनीतिक सूत्र बताते हैं कि शिंदे का जाना विभागों को लेकर उनके असंतोष से जुड़ा था। वहीं मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और गिरीश महाजन शिंदे से मिलने और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए दारेगांव के लिए रवाना हो गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस इस समय वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के लिए दावोस में हैं।

संपादकीय Editorial

Bridge of winter stay

Look at the eyes of the one who makes mirrors here, he puts his skill on the eyes of the people. The skill of every government in Himachal is actually the mirror of this eye, which wears the eyes of Kangra, but cannot see itself. The winter stay of the Chief Ministers has actually been a means, a bridge, to show the government and politics again wants to extract 'pure gold' from the water that has flowed in the river. This is also because Kangra makes every government its religion, but the politics of the district remains scattered. It is amazing that many leaders between BJP and Congress have the illusion of becoming the leader of Kangra, but here 'neither are of the house nor of the house'. Kangra has the power to form a government, but why does it not have the skill to make its own leader. Did the government not give Kangra such disciples or Shanta Kumar, who was the Chief Minister twice, himself remained an incarnation. What was the reason that no one surpassed the sapling of Kangra in relevance and status of Shanta. People also went with YS Parmar, but why did no one from Pandit Sant Ram to Sat Mahajan reach the destination? Why did stains keep appearing on the blank papers of leaders? Late Virbhadra was also able to give Kangra its fortune in one group, otherwise Major Vijay Singh Mankotia and GS Bali also planted trees in their gardens. Prem Kumar Dhumal once gave every power, every boon to Ravindra Singh Ravi, but this system also failed. Beyond these complications, in the aspect of power in which Jairam kept weighing Mandi, the weak ministers of Kangra only kept watching. Therefore, the arrival of Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu on winter stay in his third year can be an attempt to open the old pegs of these questions. However, the first anniversary of the present government was celebrated here and this time also on the full statehood day in Baijnath, how much Kangra will fill its own emptiness, it remains to be seen. Obviously, when the government moves on the carpet of winter stay after the winter session, some thorns will be hidden, but political wounds will remain unwrapped. Why did winter stay become so important that even unwillingly, the government had to move from Shimla to Kangra, Hamirpur, Una, Chamba and Bilaspur. Why did it happen that the Shimla Assembly reached the Tapovan House. Why was the dream of Dharamshala as the second capital dreamt of? It is a different matter that the plaques of Himachal Bhawan were removed here and even today the rooms of the ministers are empty in the testimony of the mini secretariat. The limit is that even the ministers of Kangra shy away from sitting in the secretariat of Dharamshala, because they are probably afraid of not being the leaders of the district. It is also surprising that neither the Congress nor the BJP is getting any state president of the party from Kangra. Now the times are such that the politics of Himachal has become the legacy of parliamentary constituencies, so two Kangras have been created in Kangra. One of winter stay and one of political development. Politics now sees Dehra as a document of Hamirpur parliamentary constituency, but the pain in the arms is that there is no rebellion. When anger erupts, the slaves of auctioned politics win in the laughter of power. Anyway, a new winter stay and the political history of a new Chief Minister is standing at the doorstep of Kangra. Sukhu has made inscriptions of development in the text of Kangra, so many foundation stones and inaugurations are waiting at the stages of stay. It is also true that Kangra has got development from power and every Chief Minister has given in his own way. This time the self-confidence of Sukhu government is being seen towards.

Effective scheme, villagers' problems eased through property cards

Swamitva Yojana is becoming a very effective scheme for the villagers. Through this, the problems of the villagers have become easier. Property cards have been distributed in 50 thousand villages. Swamitva Yojana is effective because a large number of land-related disputes were being seen in India. Fights were common due to them. In such a situation, there was a need for Swamitva Yojana. Under the Swamitva Yojana, which gives certificate of ownership of land to the rural population, the distribution of 65 lakh property cards by the Prime Minister underlined that this scheme is moving in the right direction. Yesterday, property cards were distributed to the people of 50 thousand villages in about 230 districts of the country through video conferencing, but it is noteworthy that till now survey has been completed in more than three lakh villages under this scheme, which is 92 percent of the target. Along with this, about 2.25 crore property cards of 1.53 lakh villages have also been prepared. There was a need for such a scheme because a large number of land disputes were being seen in rural India. It was common for fights to happen due to them. Sometimes these fights also became the cause of violence and murder. It is no less than an achievement that in the rural areas where property cards have been distributed, there is a decrease in land disputes. The objective of this scheme is not only to give the villagers a certificate of being the owner of their land. Its objective is also that the villagers can take loans and sell the land with the help of this certificate. Property cards are also helping in assessing the land in rural areas and taking forward the government schemes. Through this card, it is also becoming easier for the villagers to take advantage of government schemes. The need for such a scheme was expressed by the United Nations. It had found in its study that in many countries of the world, people do not have legal documents of their property and especially house and land. India was also counted among such countries. The United Nations also said that if poverty is to be reduced, it is necessary to give property rights to the people. To meet this need, Prime Minister Modi had announced the launch of this scheme during the Covid pandemic. After this, this scheme was started as an experiment in many states. The success of the experiment paved the way for launching this scheme on a large scale. Drone survey, GIS and other state-of-the-art technology are being used in this scheme, so that the ownership of the land can be clearly marked. When the ownership of the land becomes clear, not only the scope of dispute is reduced, but the market value of the land also increases. Apart from this, the problem of illegal occupation of them is also curbed.

Pursuit of selfish interests under the guise of Dr. Bhimrao Ambedkar

Using the name of Dr. Bhimrao Ambedkar for narrow political interests is a sign of cultural degradation. If there was such bitterness in politics as there is today, Dr. Ambedkar would not have become the chairman of the drafting committee of the Indian Constituent Assembly, but there were some such personalities present at that time who knew how to respect talent. The Constitution of India has been appreciated all over the world. For the last few months, there has been a lot of discussion on the Constitution in the country, but it is superficial, because the Constitution of India has been appreciated all over the world. It was prepared by the dedicated fighters of the freedom movement with a deep understanding of the aspirations and desires of the people. The unparalleled talent that was needed to give it words was found in the personality of Dr. Bhimrao Ambedkar. Future generations and history will remain indebted to him. It was the good fortune of the country that Dr. Ambedkar was available to fulfill this responsibility. He had differences with Gandhiji, Pandit Nehru and his party did not like him, but selfishness was absent on the political scene of that time. Everywhere there was concern for the country, countrymen and the future of India. The goal of providing a proper human life to the people was attracting the attention of almost all the parties and leaders everywhere. If there was bitterness in politics like today, then Dr. Ambedkar would not have become the chairman of the drafting committee of the Constituent Assembly, but some such personalities were present at that time, who knew how to respect talent and considered the country's interest above party interest. The thinking, understanding and ideological collectivity of an era contributed to the creation of the Constitution. This is the reason why it could become so strong. However, a dark chapter was also associated with the Constitution of India, which history will never forget. During 1975-77, not only the words of the Constitution but even its soul was destroyed to cancel the decision of the court and to remain in power. This was done by the party, which wanted to take all the credit for the freedom movement. For this, it did not feel any shame in tampering with the facts of history. Today, the same party is claiming to be the biggest protector of the Constitution. Was there no ideological contribution of Pandit Madan Mohan Malviya, Rabindranath Tagore, Mahatma Gandhi and other freedom fighters in the making of the Constitution of India? Should the tireless hard work of Dr. Rajendra Prasad be forgotten? Should the intellect of Chakravarti Rajagopalachari not be respected? These wise men did not allow the words socialist and secular to appear in the preamble to save the future of the Constitution of India, to make it organized and comprehensive. Adding these two words to the Constitution during the Emergency was a grave insult to these great men. The expression of reverence towards the Constitution is also a manifestation of respect towards these freedom fighters in the true sense. Dr. Ambedkar and his colleagues who sat in the Constituent Assembly and determined the path of the country's future, certainly deserve special gratitude. Dr. Ambedkar tried to unite the country, suggested a way to free everyone from injustice. He taught that every human being should respect and honour every other human being at his level of equality. Those people who try to increase the number of voters in their favour by using the names of caste, sub-caste or any other classification cannot be considered cultured, no matter what position they hold. Such people will not be considered well-wishers of the society. In a country whose culture gives the message of 'God's part is immortal', where respect and honour for age and experience has been taught from childhood, the use of a sacred name like Dr. Ambedkar for petty political interests only points towards a major cultural decline. The Constitution makers knew that the coming to power and the rights, facilities and possibilities of accumulating wealth obtained by it will definitely have a negative impact on individuals. On November 26, 1949, when the final draft of the Constitution was presented in the Parliament for approval, the speech given by the President of the Constituent Assembly, Dr. Rajendra Prasad, will continue to attract the attention of the people for centuries. He said, 'The welfare of the country will depend on the manner in which it is administered. The welfare of the country will depend on the people who will administer the country. It is an old saying that the country gets the kind of government it deserves.' Dr. Rajendra Prasad also mentioned communal differences, caste differences, language and provincial differences and other similar differences in the country. He expected that, 'For this we need strong charactered people, farsighted people and such people who do not abandon the interests of the whole country for small groups and regions and who are beyond the biases arising out of these differences. We can only hope that we will find many such people in this country.' Sadly, today we are not getting such people in the required number in the country. Those who leave the country's interests behind for petty selfish interests are becoming obstacles in the path of the country's progress and development.He had differences with Gandhiji, Pandit Nehru and his party did not like him, but selfishness was absent on the political scene of that time. Everywhere there was concern for the country, countrymen and the future of India. The goal of providing a proper human life to the people was attracting the attention of almost all the parties and leaders everywhere. If there was bitterness in politics like today, then Dr. Ambedkar would not have become the chairman of the drafting committee of the Constituent Assembly, but some such personalities were present at that time, who knew how to respect talent and considered the country's interest above party interest. The thinking, understanding and ideological collectivity of an era contributed to the creation of the Constitution. This is the reason why it could become so strong. However, a dark chapter was also associated with the Constitution of India, which history will never forget. During 1975-77, not only the words of the Constitution but even its soul was destroyed to cancel the decision of the court and to remain in power. This was done by the party, which wanted to take all the credit for the freedom movement. For this, it did not feel any shame in tampering with the facts of history. Today, the same party is claiming to be the biggest protector of the Constitution. Was there no ideological contribution of Pandit Madan Mohan Malviya, Rabindranath Tagore, Mahatma Gandhi and other freedom fighters in the making of the Constitution of India? Should the tireless hard work of Dr. Rajendra Prasad be forgotten? Should the intellect of Chakravarti Rajagopalachari not be respected? These wise men did not allow the words socialist and secular to appear in the preamble to save the future of the Constitution of India, to make it organized and comprehensive. Adding these two words to the Constitution during the Emergency was a grave insult to these great men. The expression of reverence towards the Constitution is also a manifestation of respect towards these freedom fighters in the true sense. Dr. Ambedkar and his colleagues who sat in the Constituent Assembly and determined the path of the country's future, certainly deserve special gratitude. Dr. Ambedkar tried to unite the country, suggested a way to free everyone from injustice. He taught that every human being should respect and honour every other human being at his level of equality. Those people who try to increase the number of voters in their favour by using the names of caste, sub-caste or any other classification cannot be considered cultured, no matter what position they hold. Such people will not be considered well-wishers of the society. In a country whose culture gives the message of 'God's part is immortal', where respect and honour for age and experience has been taught from childhood, the use of a sacred name like Dr. Ambedkar for petty political interests only points towards.

संदिग्ध हालत में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, गांव में ही विवाहित महिला से चल रहा था प्रेम प्रसंग

मुरादाबाद। बिलारी थाना क्षेत्र के मिलक नगलिया जट गांव में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में जंगल में पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान 20 वर्षीय युवक मनोज के रूप में हुई, जो नागलिया जाट गांव का निवासी था। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। बारीकी से जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, युवक का गांव में ही विवाहित महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक विवाहित महिला को एक सप्ताह पहले घर से भगा कर ले गया था। पुलिस का दबाव होने के चलते तीन दिन बाद महिला थाने आ गई। जहां पुलिस ने दोनों को अपने-अपने परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के मुताबिक रविवार की दोपहर विवाहित महिला के परिजन मनोज के घर पहुंचे, जहां उन्होंने गाली-गलौज और मारपीट की और इसके बाद शाम को कोतवाली पहुंचे। मनोज ने एक वीडियो फेसबुक पर पोस्ट भी किया, जिसमें उसने कहा कि वह जल्द ही मर जाएगा। इसके कुछ देर बाद ही वह नीम के पेड़ से लटका हुआ मिला।

बिलारी के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में तहसील बिलारी के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशानुरुप गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण करें तथा फीडबैक भी अवश्य लिया जाये। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित 64 शिकायतें प्राप्त हुईं। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विद्युत विभाग से संबंधित, चकरोड पर अवैध कब्जा संबंधित, सड़क मरम्मत, चकबंदी संबंधित, सड़क पर रिफलेक्टर लगाये जाने के संबंध में सहित इत्यादि विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर निष्पक्षता के साथ शिकायतों का निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम बिलारी श्री विनय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 कुलदीप सिंह, जिला विकास अधिकारी श्री जी0बी0 पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण एवं तहसीलदार बिलारी सी0ओ0 बिलारी सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। इसी क्रम में तहसील ठाकुरद्वारा में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द्र की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ, जिसमें 20 शिकायतें प्राप्त हुई और 02 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। इसी प्रकार से तहसील कांठ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ जिसमें 26 शिकायतें प्राप्त हुईं और शिकायतों का निस्तारण हुआ 02 तथा तहसील सदर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें 39 शिकायतें प्राप्त हुई जहां 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया।

आरटीओ कार्यालय के पीछे महाकुंभ श्रद्धालुओं के लिए तंबुओं का शहर

मुरादाबाद- महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए तंबुओं का नगर प्राधिकरण की एक एकड़ भूमि पर बनाया जा रहा है। इसके साथ ही वाहनों के लिए अस्थाई वाहन स्टैंड बनाने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी हैं। संभागीय परिवहन विभाग के निकट 100 बेडों का एयर प्रूफ टेंट लगाए गए हैं। साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था के अलावा निकट में ही कैंप कार्यालय भी बनाया गया है। फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस महकमे से महिला क्षेत्र की सीमा में फ्लेक्सी होर्डिंग भी लगाए जा करने के लिए विशेष व्यवस्था एक एकड़ भूमि लिए स्टैंड बिजली विभाग की ओर से डीएम के परिवहन विभाग ने अस्थाई विद्युत कनेक्शन के संभागीय परिवहन विभाग के कार्यालय के पीछे मंशा के अनुरूप संभागीय परिवहन विभाग के तंबुओं को नगर बसाने की तैयारियां लगभग लिहाफों की व्यवस्था की गई है। तंबुओं के निकट के अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी व्यवस्था कैंप कार्यालय में पुलिस महिला और ट्रैफिक की व्यवस्था भी होगी। फायर ब्रिगेड के जवान चिकित्सा और दवा की व्यवस्था भी की जा

सिपाहियों व यातायात पुलिस भी रहेगी। प्रचार के लिए महानगर रहे हैं। पहली बार महाकुंभ जाने और आने वालों के लिए आराम में एयर प्रूफ टेंट में 100 बिस्तर की व्यवस्था और वाहन खड़े करने के पत्र भेजने के बाद नहीं की गई विद्युत आपूर्ति व्यवस्था संभागीय लिए पूर्व में किया था आवेदन- रविवार को गांगन तिराहे के निकट महाकुंभ जाने वाले यात्रियों को सुविधा प्रदान की प्रदेश सरकार की अधिकारियों ने विकास प्राधिकरण की भूमि पर एक एकड़ भूमि पर पूरी हो चुकी है। तंबुओं में लकड़ी के 100 तख्त डाल कर गद्दे और ही कैंप कार्यालय बनाया गया है जिसमें संभागीय परिवहन विभाग की देखरेख के लिए लगाई जाएगी। सुरक्षा की नजरिए से 24 घंटे पुलिस मौजूद रहेगी। सर्दियों के लिए नगर निगम की ओर से अलाव व वाहन भी हर वक्त मौजूद रहेंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग से रही है। आरटीओ प्रवर्तन दल अधिकारी प्रणव झा ने बताया कि मुरादाबाद ही नहीं अन्य जिलों से मुरादाबाद होकर महाकुंभ जाने वाले यात्रियों के लिए सुविधा कराई गई है। इसके लिए नगर सामाजिक स्थानों पर जैसे- रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, कचहरी, तहसील, दिल्ली रोड के जीरो प्वाइंट, चौधरी चरण सिंह चौक, कांठ रोड रोड अगवानपुर चौराहे, धर्मपुर शेरूआ चौराहे, मूंढापांडे टोल प्लाजा समेत प्रचार के लिए 40 होर्डिंग लगाई जा रही हैं। जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को जानकारी हो सके। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी अनुज सिंह के कार्यालय से सभी विभाग को इस व्यवस्था के लिए पत्र लिखा जा चुका है। वाबजूद इसके बिजली विभाग की ओर से कोई व्यवस्था अभी तक नहीं की गई है। मुसांस का 51 सदस्यीय दल महाकुंभ यात्रा पर जाएगा-मुरादाबाद सांस्कृतिक समाज (मुसांस) की रविवार को संस्था के कार्यालय पर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता अनिता गुप्ता ने और संचालन डॉ. पंकज दर्पण अग्रवाल ने किया। डॉ. पंकज दर्पण अग्रवाल ने संस्था के महाकुम्भ यात्रा की तैयारियों की जानकारियां दी। बताया कि मुसांस के कुम्भ यात्रा दल में कुल 51 सदस्य हैं, और इस टूर की विशेषता ये है कि इसमें 1 वर्ष के बालक से लेकर 90 वर्ष की महिला भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी लोग 144 वर्ष बाद आने वाले इस दिव्य महाकुंभ में पहुंचने के लिए बहुत उत्साहित हैं। महाकुंभ यात्रा 6 फरवरी की शाम को आरम्भ होकर 9 फरवरी की सुबह पूरी होगी। उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों को चलने से पूर्व ही एक यात्रा किट दी जाएगी जिसमें साबुन, पेपर सोप, तौलिया, सैनिटाइजर, टूथ पेस्ट, टूथ ब्रश, नैपकिन, सेफ्टी पिन, पेन, लेटर पैड, परिचय पत्र सहित आवश्यकता का सभी सामान होगा। यात्रा दल में जितेंद्र कुमार गोयल, राजेश सिंघानिया, सुषमा गर्ग, अनुज अग्रवाल, अनुराधा गुप्ता, सीए अजीत अग्रवाल, सीए राकेश अग्रवाल, विनय मित्तल, गिरीश सिंह, विनोद गोयल, संजय गोयल, राजू खन्ना, पूनम रस्तोगी आदि सदस्य शामिल हैं। रेलवे प्रशासन कुंभ स्पेशल ट्रेनों की कर रहा विशेष निगरानी-महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सेवा में रेलवे प्रशासन जुटा है। मंडल मुख्यालय से होकर सात जोड़ी ट्रेनें यात्रियों को सेवा दे रही हैं। रेलवे प्रशासन कुम्भ स्पेशल ट्रेनों के संचालन की विशेष तरह से निगरानी कर रहा है। ट्रेनों में साफ-सफाई, जलापूर्ति और यात्री सुविधाओं को लेकर वाणिज्य विभाग विशेष सतर्कता बरत रहा है। यात्री सुरक्षा बंदोबस्त को लेकर राजकीय रेलवे पुलिस और आरपीएफ की टीमें सक्रिय कर दी गई हैं। स्पेशल ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान को लेकर मैनुअल और ऑटोमेटिक अनाउंसिंग सिस्टम की सेवा दी जा रही है। मुरादाबाद मंडल से एक जोड़ी और देश के विभिन्न हिस्सों से सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनें प्रयागराज के लिए चलाई जा रही हैं।

दो महीन के लिए बंद किया जाएगा रामगंगा कटघर पुल, बनेंगे अस्थायी बस अड्डे...रामपुर-बरेली के यात्रियों को होगी दिक्कत

आजाद नगर चौराहा व रामपुर दोराहा पर बनेंगे अस्थायी बस अड्डे, 82 लाख 69 हजार की लागत बदले जाएंगे बेयरिंग

मुरादाबाद- रामपुर रोड पर रामगंगा पुल के बेयरिंग बदलने का कार्य लोक निर्माण विभाग की ओर किया जाएगा। विभाग नौ दिन बाद अपना कार्य शुरू करेगा। जिसके चलते यातायात दो माह के लिए बंद किया जाएगा। यह पुल यूपी को उत्तराखंड से जोड़ने में अहम भूमिका रखता है। जिससे कार्य के दौरान अब पुलिस और परिवहन विभाग अस्थायी बस अड्डे बनाने की तैयारी कर रहा हैं। पुल की मरम्मत के दौरान बड़े छोटे वाहनों के रूट डायवर्जन बाइक व पैदल आवागमन भी प्रतिबंधित थे। जिस पर लोक निर्माण विभाग ने मुम्बई उस समय एजेंसी के सर्वे के रिपोर्ट पर आने बनी। जिसके बाद पुल निर्माण का जिम्मा विभाग ने पुल के बेयरिंग बदलने से हाथ हजार रुपये का टेंडर पास कर दिया है। जिसमें कार्य शुरू कर दिया जाएगा। दो महीने तक कर दिया जाएगा। इससे सबसे अधिक होगी। इसके लिए रोडवेज और ट्रैफिक पुलिस बसों के लिए अस्थायी बस अड्डा बनाने के बताया कि पुल से वाहनों का आवागमन हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को

के साथ आसपास के सैकड़ों गांव के रहने ग्रामीणों के लिए रहेगा। रामगंगा कटघर पुल का बेयरिंग 8 महीने पहले टूट गए तक की एजेंसी से बेयरिंग बदलवाने के लिए सर्वे कराया था। वाले खर्चे के चलते विभाग की बेयरिंग बदलने की बात नहीं सिंचाई विभाग को दिया गया था। लेकिन कुछ दिन बाद सिंचाई खड़े कर दिए थे। लोक निर्माण विभाग ने इसका 82 लाख 69 अब नौ दिन बाद रामगंगा कटघर पुल के बेयरिंग बदलने का पुल से बाइक, छोटे बड़े वाहन से लेकर पैदल का आवागमन बंद परेशानी रामपुर-बरेली व काशीपुर से आने वाले यात्रियों को अधिकारियों के बीच रोडवेज बसों को रूट डायवर्जन के साथ लिए बातचीत चल रही है। अधीक्षण अभियंता एसपी सिंह ने खतरे से खाली नहीं है। पुल के मरम्मत की तैयारियां शुरू हो गई जिलाधिकारी ने चार विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक में तय किया कि सेतु निगम पंडित नगला बाईपास पर सर्विस रोड बनाएगा। सर्विस रोड बनाने के लिए सेतु निगम को नौ दिन का समय दिया गया है।10वें दिन पुल को आवागमन के लिए बंद कर दिया जाएगा और पुल मरम्मत का काम शुरू हो जाएगा। वहीं परिवहन विभाग से बातचीत कर पुलिस विभाग अस्थायी बस अड्डे रामपुर रोड पर प्रेम वंडरलैंड पुल के नीचे बनाएगा। एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार के अनुसार रामगंगा कटघर पुल से दो माह के लिए यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान बाइक चालकों को या पैदल निकलने की भी अनुमति नहीं मिलेगी। आजाद नगर चौराहा और रामपुर दोराहा पर अस्थायी बस अड्डे बनाए जाएंगे। पुल की मरम्मत शुरू होते ही रूट डायवर्जन कर दिया जाएगा। रोडवेज की आरएम ममता रानी ने बताया कि रामपुर रोड स्थित रामगंगा पर बने पुल से आवाजाही बंद होने के बाद रामपुर और काशीपुर रोड पर जाने वाली बसों का किराए भी बढ़ जाएगा। ऐसे में बसों का सफर लंबा हो जाएगा। यात्री भी काफी घूम कर अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचेंगे। संभल रोड से काशीपुर जाने के लिए रास्ता बदलना होगा। शहर से रामपुर जाने के लिए आरटीओ रोड से होकर गुजरना होगा या फिर दिल्ली रोड से बाईपास होकर रामपुर जाना होगा। इस पुल से लगभग 44 हजार वाहन गुजरते हैं रोज रामपुर रोड शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में से यह एक है। इस रोड पर पड़ने वाले रामगंगा पुल से प्रतिदिन 44 हजार वाहन गुजरते हैं। एक साल पहले एक निजी एजेंसी ने इस रोड पर वाहनों के दबाव का आकलन किया था। बताया था कि इस रोड को फोरलेन किया जाना चाहिए। इस रोड पर रामपुर-बरेली और काशीपुर से आने वाले वाहन गुजरते हैं। पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन अधिशासी अभियंता ने रोड के दबाव को देखते हुए रामपुर रोड पर फ्लाईओवर बनाने के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा था लेकिन प्रस्ताव स्वीकृत नहीं हो सका।

संक्षिप्त समाचार

दो पक्ष आए आमाने-सामने, 5 राउंड फायरिंग और पत्थरबाजी...10 नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुरादाबाद- कटघर थाना क्षेत्र के सिरसा इनायतपुर उर्फ दौड़ भाग गांव में पुराने मुकदमे में फैसला करने को लेकर एक ही

समुदाय को दो पक्ष आमाने सामने आ गए। दोनों तरफ से छत से पथराव हुआ। साथ ही 5 राउंड फायरिंग की गई। इस घटना का पूरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फायरिंग में एक युवक घायल हो गया। युवक का उपचार अस्पताल में चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गांव के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने 10 नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। कटघर थाना क्षेत्र में सिरसा इनायतपुर उर्फ दौड़ भाग गांव के रहने वाले चांद बाबू और अफसर अली में पुराने किसी मुकदमे को लेकर रंजिश चली आ रही है। दोनों के घर भी आमने सामने हैं। पुराने मुकदमे में फैसला करने को एक पक्ष पर दबाब बनाया जा रहा था। इसी बात को लेकर रविवार की शाम करीब 5 बजे दोनों पक्ष आमने सामने आ गए। दोनों तरफ से घरों की छत से पथराव शुरू हो गया। चांद बाबू ने अफसर अली के घर पर पथराव और देसी तमंचे से करीब पांच राउंड फायरिंग की। इस घटना का पूरा वीडियो सामने आया है जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि कुछ युवक बेखौफ होकर छत से फायरिंग कर रहे हैं। फायरिंग में अफसर अली का बेटा सलीम घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सलीम को उपचार के लिया जिला अस्पताल में भर्ती कराया हैं। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया की मामले में पुलिस की और से नाजिल, फरमान, साजिम, अरमान अली, सलमान, अरबाज, समीर, चांद शाने आलम, सुभान अली, रेवड़ी और एक अज्ञात के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023 191(2), 191(3), 190, 352, 351(3), 109(1) आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 1932, 7 धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया हैं आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों को गठित कर दिया गया। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

मौसम में कोहरा व पाले से फसलें बहुत अधिक प्रभावित

मुरादाबाद- उप निदेशक उद्यान मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद श्रीमती पूजा ने बताया कि ठंड के मौसम में कोहरा व पाला मौसम के दो ऐसे कारक हैं, जिनसे तराई व मैदानी इलाकों की फसलें बहुत अधिक प्रभावित होती है। कोहरा छाने के दौरान धूप न निकलने से पौधा कमजोर हो जाता है, जिससे पौधों में फूल व फल बनने में गिरावट आने के साथ-साथ अनेक प्रकार के रोग जैसे- पत्ती सड़न, फल सड़न, ब्लाईट, डंडी गलन, म्लानी, झुलसा आदि होने की संभावना बढ़ जाती है। अधिक ठंड के कारण टमाटर, मिर्च, शिमला मिर्च आदि में फूल से फल में सैटिंग कम हो पाती है, आलू का आकार भी छोटा रह जाता है, इसी प्रकार पाला का भी पौधों के ऊपर सीधा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया पाला से बचाव के लिए पौधों/फसलों की शाम के समय हल्की सिंचाई करें। खेतों में गोबर की खाद एवं कार्बनिक खादों को डालकर जीवांश का स्तर 1 प्रतिशत के आसपास रखें, जिससे मिट्टी की जल रोकने व सोखने की क्षमता बढ़ जाए। जहां तक संभव हो फसलें मेंढ़ों पर लगाये ताकि पानी देने में सुविधा बनी रहे। ठंड के प्रभाव को कम करने के लिए खेतों में कश्वपर युक्त व सल्फर युक्त उर्वरकों का प्रयोग करें। पोटेशियम भी विपरीत परिस्थितियों में लड़ने की क्षमता विकसित करता है। इसलिए खेतों में पोटाश, सल्फर व फारस्फोरस तीनों पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में मिल जाते हैं। पौधों पर किसी फँफूंदी के प्रकोप को रोकने के लिए ट्राईकोडरमा 2 ग्राम 1 लीटर पानी में घोल बनाकर समय-समय पर स्प्रे करते रहना चाहिए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

किसना डायमंड ज्वेलरी ने बांटी 100 से ज्यादा खुशियों की चाबी!

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- भारत की अग्रणी ज्वेलरी रिटेल चेन में से एक किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने आज देशभर के 100 भाग्यशाली

ग्राहकों को मारुति सेलेरियो कारें उपहार में दीं। ये कारें 11 शहरों में विजेताओं को एक साथ सौंपी गईं, जो ‎प्तअबकीङ्गबारङ्गआपकेङ्गलिए कैंपेन के भव्य समापन का हिस्सा था। इस शानदार पहल में 51,219 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिससे यह न केवल किसना के इतिहास में बल्कि पूरे उद्योग में सबसे बड़ी मुहिमों में से एक बन गई। यह कैंपेन 1 सितंबर, 2024 को शुरू हुआ और 18 जनवरी, 2025 को समाप्त हुआ। इसके तहत, ग्राहकों को ?20,000 या उससे अधिक की डायमंड, प्लेटिनम, या सॉलिटेयर ज्वेलरी खरीदने पर और ?50,000 या उससे अधिक की गोल्ड ज्वेलरी खरीदने पर कार जीतने का मौका दिया गया था।

पीले वस्त्र धारण करके भगवान कृष्ण जन्म उत्सव मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- श्री बांके बिहारी मन्दिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में आज चतुर्थ दिवस में व्यास जी ने प्रह्लाद जी के चरित्र का वर्णन

किया ,तथा हमें यह बताया कि भगवान और साधु संत हमारे ऊपर किस तरह कृपा करते हैं, और उनकी कृपा का पात्र हो पाना कैसे सम्भव है आगे कथा में श्री रामचन्द्र जी के जन्म की कथा श्रवण करायी तथा भगवान श्रीकृष्ण जी के जन्मोत्सव का सभी भक्तों ने भरपूर आनन्द लिया ।श्याम दिक्षित जी के भजनों पर सभी भक्त रिश्ते रहे वर्णन नृत्य करते रहे खिलौने व, आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया , सहयोग में अनूप सक्सेना किरण, सक्सेना, राकेश, राजेश खंडेलवाल, जगदीश भाटिया आदि का सहयोग रहा ।।

कोयला चोरों पर पुलिस की कार्यवाही, कोयला बोरी में भरकर मोटर सायकल से परिवहन करते पकड़ाए

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यो के विरूद्ध लगातार

कड़ी कार्यवाही कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 19.01.2025 के रात्रि में थाना रामानुजनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम साल्ही की ओर से काफी मात्रा में मोटर सायकल चालक के द्वारा अवैध रूप से कोयला परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना रामानुजनगर की पुलिस टीम ने ग्राम साल्ही चौक में घेराबंदी कर 1. सब्बीर पिता मो. सफीज उम्र 24 वर्ष ग्राम नारायणपुर 2. मोहित प्रजापति पिता राजेन्द्र प्रसाद उम्र 25 वर्ष ग्राम नारायणपुर 3. हिफाजल पिता मो. हफीज उम्र 28 वर्ष ग्राम नारायणपुर 4. जलसाय पिता स्व. धरमसाय उम्र 30 वर्ष ग्राम पतरापाली 5. बाबुलाल पिता बलवंत सिंह उम्र 30 वर्ष ग्राम पतरापाली 6. देवशंकर पिता स्व. जगन राम उम्र 32 वर्ष ग्राम पतरापाली 7. बोधन सिंह पिता मदन साय उम्र 35 वर्ष ग्राम पतरापाली को मोटर सायकल में बोरी में कोयला भरकर परिवहन करते पकड़ा जो कोयला चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर धारा 35(1-4)/ 303(2) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर 14 बोरी कोयला एवं परिवहन में प्रयुक्त 7 नग मोटर सायकल जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू व उनकी टीम सक्रिय रही।

डीएम की अध्यक्षता में फरीदपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन एसपी दक्षिण अंशिका वर्मा भी रही मौजूद

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज जनपद बरेली की तहसील फरीदपुर के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस (तहसील दिवस) का आयोजन हुआ। जहां जनसामान्य की समस्याओं को सुनकर उनके ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, राशन, विद्युत, अवैध कब्जा, पुलिस, चकबंदी, स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास विभाग आदि से संबंधित शिकायते प्राप्त हुई। सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता गंगाराम पुत्र दीपचन्द्र निवासी ग्राम सुकटिया सिंघावारी ने बताया कि ग्राम में अम्बेडकर पार्क की खाली जगह में गांव के कुछ लोगों ने कूड़ा व नाली का गंदा पानी आदि डालते हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने एडीओ पंचायत भुता को जांच कर सम्बंधित के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। एक अन्य शिकायतकर्ता नीलम पुत्री दिवंगत दयाराम ग्राम तराखास ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत अक्टूबर 2023 में आवेदन किया था, बीमार होने के कारण वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में सम्मिलित नहीं हो सकीं। प्रार्थिनी को वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में सम्मिलित होना चाहती है, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को नियमानुसार सम्मिलित कराने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में तहसील फरीदपुर क्षेत्र से आई0जी0आर0एस0 पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करी और संबंधित अधिकारियों को अधिक शिकायत वाले गांव का भ्रमण कर शिकायत का शत प्रतिशत निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए कि आईजीआरएस पर जिस शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण किया जाए उससे फोन पर वार्ता भी की जाए कि निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट है या नहीं। सम्पूर्ण समाधान दिवस में विद्युत विभाग को निर्देश दिए गए कि जिन गांवों में गलत मीटर रीडिंग की शिकायत अधिक आ रही हैं उन गांवों में जाकर शिकायत का निस्तारण किया जाए। तहसील फरीदपुर के कुछ ग्रामों में किसानों के फार्मर आईडी कम बन रहे है, जिस पर संबंधित लेखपालों को निर्देश दिए गए कि जो गांव पोर्टल पर नहीं दिख रहे हैं उनकी सूची बना कर उपलब्ध कराई जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिक लोग इसका लाभ ले सकें। उक्त के उपरांत जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गए जन कल्याणकारी योजनाओं के स्टालों का भी अवलोकन किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 विश्राम सिंह, पुलिस अधीक्षक दक्षिण अंशिका वर्मा, उपजिलाधिकारी फरीदपुर गुलाब चंद्र अग्रहरि सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने ली क्राइम मीटिंग, थाना-चौकी के कार्यो का परफॉमेंश जाना, लंबित मामलों के निकाल में तेजी लाने दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा जिले के पुलिस अधिकारियों का क्राईम मीटिंग लिया, जिसमें थाना-चौकी के कार्यो, अपराध निकाल, प्रतिबंधात्मक व लघु अधिनियम व ऑपरेशन मुस्कान की समीक्षा कर परफारमेंश को जाना और लंबित अपराधों एवं शिकायत के निराकरण का ब्यौरा लेते हेतु निराकरण

में और तेजी लाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों में पुलिस का खौफ बनाए रखने सख्ती के साथ तत्परतापूर्वक कार्यवाही करने, थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु सूचना तंत्र मजबूत और पुख्ता करने के निर्देश दिए। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने टासकिंग पुलिसिंग पर जोर देते हुए प्रभारियों को कहा कि अपराध, शिकायत, सहित अन्य कार्यवाहियों को पूर्ण करने की समय सीमा खुद बनाए और उसे मजबूती के साथ पूरा करें इससे कार्यो में तेजी आयेगी और निकाल का प्रतिशत भी बढ़ेगा, सामाजिक बुराईयों, नशे व अवैध कारोबार पर सख्ती से पूर्णत: अंकुश लगाई जाए, दुघर्टना को पूरी तरीके से रोक पाना संभव नहीं है किन्तु एक्सीडेंट रोकने की दिशा में कार्यवाही एवं जागरूकता से कमी लाई जा सकती है इसके लिए बेहतर कार्य करें, शराब पीकर और ओव्हर स्पीडिंग कर यातायात नियमों की अनेदखी पर सख्ती से कार्यवाही करने, थाना प्रभारी खुद नागरिकों की समस्या शिकायत को सुने और निराकरण करें। जमीन संबंधी मामले की शिकायत पर फौरन कार्यवाही के साथ ही बाउन्ड ओव्हर की कार्यवाही कराने, स्थाई वारंट की तामीली में विशेष रूचि लेने के निर्देश दिए। उन्होंने आदतन अपराधियों का निगरानी व गुण्डा बदमाश हिस्ट्रीशीट खोलने, अपराधों की रोकथाम के लिए सतत पेट्रोलिंग व प्रभावी रात्रि गश्त करने एवं अधिक से अधिक लघु व प्रतिबंधात्मक अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की सदस्य का किया सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली- कर्मचारी कल्याण सेवा समिति बरेली कॉलेज बरेली के अध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में

आज कर्मचारियों ने राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की सदस्य प्रो सुषमा गौंडियाल को उनके आबास पर पहुंचकर बुके देकर सम्मानित किया। इस अबसर पर अध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा ने कहा हम लोगों को बहुत खुशी हुई है कि आपको सदस्य बनाया गया है। सचिव सुनील कुमार ने भी बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अबसर पर कर्मचारियों को मिष्ठान्न भी खिलाई। इस मौके पर हरीश मौर्य, रामू, गंगा प्रसाद, धर्मेंद्र, तेजपाल, ओमप्रकाश यादव, पूरनलाल मसीह, आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सांसद समर्थकों ने केक काटकर मनाया जन्मदिन, दीर्घायु की कामना की

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर पंचायत रिठौरा कार्यालय पहुंचे बरेली सांसद छत्रपाल गंगवार का

मण्डल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल, सुरेन्द्र पटेल,वंश पुरी, नरेंद्र गंगवार, चेयरमैन शकुंतला देवी प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता धनपाल सिंह, रमेश वर्मा लोकेश कुमार गुप्ता, राजीव उर्फ लवकुश साहू, अनिल प्रजापति प्रदीप कुमार गुप्ता,दीपक कुमार, सचिन मिश्रा,आदि ने सांसद के जन्मदिन पर केक काट कर उनकी दीर्घायु की कामना की।इस दौरान भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

टैम्पो - वाइक भिड़ंत में दो गंभीर घायल ,हालत नाज़ुक

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के कस्बा रिठौरा के मोहल्ला खाता के सचिन 18 पुत्र वीरपाल एवं चेना मुरारपुर का प्रेम सिंह 20 पुत्र पप्पू यादव किसी काम से रिठौरा वाइक से आ रहे थे। सामने से एक टैम्पो चालक अपने परिजनों को बिठाकर केसरपुर जा रहा था ।अचानक भंडसर रोड पर दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज के सामने मोटरसाइकिल टैम्पो से भिड़ गई। जिसके चलते वाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। टैम्पो चालक मौके से फरार हो गया। वहीं राहगीरों की सूचना पर पुलिस टीम के साथ पहुंचे चौकी इंचार्ज वैभव गुप्ता ने तुरंत घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।और टैम्पो को कब्जे में ले लिया। ख़बर लिखे जाने तक सचिन की हालत नाज़ुक बनी हुई थी।

नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों को लेकर किया प्रेस वार्ता एवं राजनीतिक दलों की बैठक का किया गया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- छत्तीसगढ़ में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तारीखों की घोषणा की गई। इस घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता राज्य भर में लागू हो गई है। नगरीय निकाय के चुनाव एक चरण तथा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तीन चरणों में आयोजित किए जाएंगे। नगरीय निकाय के चुनाव 11 फरवरी तथा पंचायत चुनाव 17, 20 और 23 फरवरी

2025 को आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आज कलेक्टर कार्यालय द्वारा प्रेस वार्ता एवं राजनीतिक दलों की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नगरीय निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव के तिथियों एवं विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया गया। गौरतलब है कि जिले में नगर पालिका सूरजपुर सहित 04 नगर पंचायत विश्रामपुर, भटगांव, जरही और प्रतापपुर मिलाकर कुल 05 नगरीय निकायों के लिए चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अंतर्गत प्रथम चरण में सूरजपुर जनपद एवं भैयाथान जनपद, द्वितीय चरण में प्रेमनगर जनपद एवं रामानुजनगर जनपद तथा तृतीय चरण में ओड़गी जनपद एवं प्रतापपुर जनपद में आयोजित किए जाएंगे। आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार निर्वाचन की सूचना की प्रकाशन, सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन, मतदान केंद्रो की सूची का प्रकाशन, नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की तिथि नगरीय निकाय हेतु, 22 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 27 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि नगरीय निकाय हेतु, 28 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 03 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा के लिए नगरीय निकाय हेतु, 29 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 04 फरवरी 2025, अभ्यर्थिता से नाम वापिस लेने की तिथि नगरीय निकाय हेतु 31 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 06 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। आबंटन करने की तिथि नगरीय निकाय हेतु 31 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 06 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। मतगणना की कार्यवाही नगरीय निकाय हेतु 15 फरवरी निर्धारित की गई है। इसके अलावा पंचायत चुनाव को लेकर मतदान एवं मतदान केंद्र पर की जाने वाली मतगणना 17,20 और 23 फरवरी तथा खण्ड मुख्यालय में की जाने वाली मतगणना 18,21 और 24 फरवरी निर्धारित की गई है।

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर कलेक्टर ने ली विभिन्न विभागों की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर विभागों की बैठक ली। गौरतलब है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आज नगरीय दी गई है। घोषणा के साथ ही राज्य बैठक के दौरान कलेक्टर श्री जयवर्धन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। से कराने के लिए राज्य निर्वाचन द्वारा दिए हैं। जिसके परिपालन में राजस्व कार्यवाही जिले में शुरू कर दी गई है। जा रही है। संपत्ति विरूपण की अन्य कार्यालयों के साथ साथ साथ ही तहसील भैयाथान, बिहारपुर कार्यवाही लगातार की जा रही पोस्टर, होर्डिंग्स, एलईडी तथा अन्य की जाएगी। प्रथम 48 घंटे में सभी जाएगी। प्रथम 72 घंटे में सभी निजी

निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा कर भर में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल संपत्ति विरूपण साथ ही जिले में निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं बेहतर तरीके जारी गाईडलाईन्स का शब्दश: पालन करने के निर्देश अधिकारी व संबंधितों द्वारा संपत्ति विरूपण की सभी कार्यालय व सार्वजनिक स्थलों पर कार्यवाही की कार्यवाही जिला संयुक्त कार्यालय, जिला पंचायत व सार्वजनिक स्थलों पर सुनिश्चित की जा रही है। इसके चौक, प्रेमनगर व अन्य स्थलों पर संपत्ति विरूपण की है।सार्वजनिक स्थल तथा शासकीय भवनों में लगे बैनर, प्रचार सामग्रियों को 24 घण्टे भीतर हटाने की कार्रवाई सार्वजनिक संपत्तियों से विरूपण हटाने की कार्यवाही संपत्तियों से विरूपण हटाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होते ही संपत्ति विरूपण अधिनियम के कार्य में लगे शासकीय कर्मचारियों द्वारा फ्लेक्स बैनर पोस्टर आदि हटाने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। सूरजपुर नगर पालिका परिषद क्षेत्र से लेकर जिले के सभी नगर पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए विभागीय कर्मचारी संपत्ति विरूपण का कार्य पूरा कर रहे हैं। सभी चौक चौराहे से एवं सार्वजनिक स्थान से बैनर पोस्टर जैसे प्रचार सामग्रियों को हटाया जा रहा है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति विरूपण की कार्यवाही संबंधित अधिकारी के मार्गदर्शन में हो रही है।

आदर्श आचरण संहिता के दौरान जनदर्शन का आयोजन रहेगा स्थगित

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- राज्य में नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस दौरान आदर्श आचार संहिता प्रभावशील रहेगी। आदर्श आचार संहिता के लागू रहने के दौरान जिला कलेक्टोरेट में सप्ताह के प्रति सोमवार को आयोजित की जाने वाली जनदर्शन स्थगित रहेगी। चुनाव के पूर्ण से संपन्न होने और आदर्श आचार संहिता के समाप्ति के पश्चात् पुनः इसका आयोजन किया जाएगा।

आपस मे टकराई बाईके दो घायल

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच(जालौन) आज रविवार को शाम के वक्त दो बाईफ आमने सामने टकरा गई जिस कारण दो लोग रोड पर गिर पड़े राहगीरो की मदद से दोनो लोगो को अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की गई यह पूरी घटना जुझार पूरा के पास स्थित कुदरा पेट्रोल पम्प महेशपुरा रोड की बताई जा रही है घटना को लेकर ज्यादा जानकारी नही हो सकी और वाईक पर सवार लोग कहां और कौन थे जान कारी नही मिल पाई है

संविधान गौरव अभियान, संगोष्ठी खिचड़ी सहभोज में पहुंचे सांसद छत्रपाल गंगवार

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। संविधान गौरव अभियान के अंतर्गत सोमवार को संविधान गौरव गोष्ठी का आयोजन नगर के अम्बेडकर पार्क एवं नयी बस्ती में किया गया। संगोष्ठी में पहुंचे सांसद छत्रपाल गंगवार ने भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।तथा बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए सर्वसमाज के हित को लेकर विस्तार से बताया।देश, प्रदेश की योगी, मोदी सरकार लगातार सभी के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।इस दौरान खिचड़ी सहभोज एवं कम्बल वितरण भी किया गया।इस दौरान सुरेन्द्र पटेल,चेयरमैन शकुंतला देवी, प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल,सभासद नीरज कुमारी,बाबू, नरेंद्र गंगवार, कमलेश गंगवार,वंश पुरी ,सुरेन्द्र गंगवार, बाबू राम भास्कर, बब्लू भास्कर, रमेश वर्मा, राजीव उर्फ लवकुश साहू धनपाल सिंह, अनिल प्रजापति आदि मौजूद रहे ।

जालौन में भाजपा नेता ने गोली मारकर की आत्महत्या...

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

जालौन के कोंच कोतवाली क्षेत्र के जवाहर नगर में भाजपा नेता आकाश पहारिया ने अपने घर में लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक का अपनी पत्नी से पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था और वह पिछले दो माह से मायके में रह रही थी। आकाश पहारिया ठेकेदारी का काम भी करता था। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दे कि मूल रूप से ग्राम अंडा के रहने वाले अवधेश पहारिया अपने 40 वर्षीय इकलौते पुत्र आकाश पहारिया और पत्नी के साथ कोंच के जवाहर नगर में वर्षो से रह रहे थे। उनका पुत्र आकाश ठेकेदारी के साथ भाजपा की राजनीति भी कर रहा था, रविवार देर रात को आकाश ने पारिवारिक विवाद में रात्रि लगभग ढाई बजे लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली की आवाज सुनकर उसके पिता अवधेश व मां ममता जाग गई, जिन्होंने खून से लथपथ अपने बेटे को देखा, उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। रात में आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने खून से लथपथ हालत में आकाश को देखा, तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना मिलते ही कोंच सर्कल के क्षेत्राधिकारी डॉ देवेंद्र पचौरी, कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण राय पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुँचे। जिन्होंने मामले की जांच करने के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया है कि मृतक आकाश का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। बीते दो माह से उसकी पत्नी अपने मायके में रह रही थी। रात में फोन पर हुए विवाद के बाद आकाश ने लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में क्षेत्राधिकारी डॉक्टर देवेंद्र पचौरी करना है कि मामले की विवेचना की जा रही कि किन परिस्थितियों में युवक ने आत्महत्या की है।

कलेक्टर एवम पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था के संबंध में ली बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवम पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत ठाकुर ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान सभी एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस विभाग के अधिकारी व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने को कहा। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं सुरक्षा के पर्याप्त इंतज़ाम के लिए सभी अधिकारी सजग होकर कार्य करें। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस प्रशासन को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अपने क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों के द्वारा की जाने वाली वारदातों पर पैनी नजर रखें। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति की संभावना को देखते ही त्वरित एवम सख्त कार्यवाही करें। कलेक्टर एवम पुलिस अधीक्षक ने 26 जनवरी, पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए विशेष मॉनिटरिंग करने, जिले में शांति बनाए रखने और सुरक्षा के विशेष उपाय करने के निर्देश दिए। आने वाले चुनाव को देखते हुए अवैध गतिविधियों एवं असामाजिक तत्वों पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के लिए सभी तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए। सड़क सुरक्षा के संबंध में चर्चा करते हुए सड़क सुरक्षा के हरसंभव उपाय करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, सड़क यातायात में व्यवधान उत्पन्न करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग और विभिन्न सड़कों का निरीक्षण ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन करने और निर्मित सड़कों में किसी भी तरह की गड़बड़ी की पहचान करने के निर्देश दिए ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने सुरक्षा एवं यातायात सुचारु करने के लिए भी नियमित पेट्रोलिंग कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सभी दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनने, चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात सुरक्षा पर जागरूकता को लेकर स्कूल, महाविद्यालय में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए ताकि दुर्घटनाओं को रोककर लोगों की जान बचाई जा सके। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न आयोजनों के दौरान जानबूझकर ध्वनि प्रदूषण करने और रात्रि 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर और डीजे बजाने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में तहसील कोच के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

कोंच ,,जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार की अध्यक्षता में तहसील कोंच के तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमे शिकायतकर्ताओं द्वारा कुल 50 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर ही 10 शिकायतों का निस्तारण किया गया, शेष शिकायतों को सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतकर्ता के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतो के निस्तारण के लिए पांच विशेष टीमो का गठन कर उन्हें तुरंत मौके पर मुआयना कर शीघ्र निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया। सम्पूर्ण समाधान के अवसर पर जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनकर शिकायतो के निस्तारण हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने निर्देशित किया कि भूमि विवादों से सम्बन्धित प्रकरणों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष ढंग से निस्तारण कराएं, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होने यह भी निर्देशित किया कि यदि सरकारी भूमि, रास्तों/चकमार्गो एवं पट्टेदारों के भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलती है तो राजस्व/पुलिस की टीम मौके पर जाए और तत्काल अवैध कब्जा खाली कराया जाए। उन्होने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के गुणवत्ता की जॉच की जायेगी। यदि निस्तारण में फर्जीवाड़ा मिला तो निश्चित ही निस्तारण करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी ढंग से हो, शिकायत निस्तारण के उपरान्त शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाए। शिकायतकर्ता की संतुष्टि के बाद ही शिकायत का निस्तारण माना जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी प्रार्थना पत्रों पर विस्तृत आख्या लगाई जाए, जिससे उसका डाटा कंप्यूटर में दर्ज किया जा सके और फरियादी को कार्यवाही का प्रिंट आउट उपलब्ध कराया जा सके। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने तहसील कोंच का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय-सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने निर्देशित किया कि किसी भी थाना क्षेत्र से कोई भी फरियादी द्वारा किसी भी थानाध्यक्ष की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने की शिकायत मिली तो निश्चित ही सम्बन्धित थानाध्यक्ष के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी कोंच ज्योति सिंह, क्षेत्राधिकारी कोंच, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एन0डी0 शर्मा आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

उच्च न्यायालय के निर्देश पर न्यायिक अधिकारियों ने शेल्टर होम वृद्ध आश्रम व आश्रय गृह का औचक निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच -नीरज कुमार

उरई ,,माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार विगत दिनांक 20.01.2025 को न्यायिक अधिकारियों ने जिले में संचालित दो शैल्टर होम राठ रोड में संचालित ''वृद्धाश्रम'' एवं मु0 लहरियापुरवा स्थित ''आश्रय-गृह'' का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बहुत बारीकी से व्यवस्थाओं को परखा और आवश्यक दिशा-निर्देश भी कर्मचारीगण को दिये। न्यायिक अधिकारियों ने उक्त दोनों आश्रय स्थलों में रह रहे आश्रितों के रहन-सहन, खानपान, चिकित्सा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा और बुनियादी व्यवस्थाओं को जांचा-परखा। सबसे पहले समाज कल्याण विभाग द्वारा राठ रोड उरई में स्वैच्छिक संस्था शिवा ग्रामोत्थान सेवा संस्था, एफ-473 गुजैनी रतनलाल नगर, कानपुर नगर के सहयोग से संचालित वृद्धाश्रम में निरीक्षण के दौरान 113 संवासी उपस्थित मिले। उपस्थित पंजिका के अनुसार सभी कर्मचारी उपस्थित मिले। वृद्धाश्रम की संवासियों से पूछा गया कि उन्हे चाय-नाश्ता और सुबह-शाम का भोजन समय से मिल रहा है या नहीं, इस पर संवासियों द्वारा बताया गया कि भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार मिल रहा हैं। वृद्धाश्रम की मेडिकल डिस्पेंसरी का निरीक्षण करने पर स्टाफ नर्स उपस्थित थीं। संवासियों की चिकित्सा/ प्राथमिक उपचार हेतु डिस्पेन्सरी में आवश्यक दवायें मिली। पूछे जाने पर किसी भी संवासी द्वारा कोई समस्या नहीं बताई गई।नगर पालिका परिषद उरई जनपद जालौन के सहयोग से मु0 लहरियापुरवा में लखनऊ के एन0जी0ओ0 द्वारा संचालित आश्रय गृह(शेल्टर होम)में न्यायिक अधिकारियों ने विभिन्न बिन्दुओं पर जांच-पड़ताल की। निरीक्षण समय में रात्रिकालीन स्टाफ को छोड़कर समस्त कर्मचारी उपस्थित मिले। यहां की आश्रित पंजिका में निरीक्षण तिथि में कोई भी आश्रित उपस्थित नहीं मिला। यहां के कमरों का निरीक्षण करने पर मकड़ी के जाले एवं धूल मिली, एक दीवान टूटा हुआ मिला। जिसके बारे में पूछे जाने पर आश्रय गृह प्रबन्धक द्वारा बताया गया कि साफ-सफाई का कार्य चल रहा हैं। निरीक्षण करने वाली इस अनुश्रवण समिति में अपर जिला जज प्रथम श्री शिवकुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला जज श्री राजीव सरन एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अभिषेक खरे शामिल रहे तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालौन स्थान उरई के लिपिक श्री शुभम् शुक्ला उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी श्रावस्ती से नया विद्यालय बनवाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती। विकास क्षेत्र जमुनहा के ग्राम पंचायत देवरनिया के प्राथमिक विद्यालय बरगदही में दो अतिरिक्त कक्ष में 81 बच्चे पंजीकृत हैं।किंतु आज तक दो अतिरिक्त कक्ष के भरोसे छात्रों को बैठने से लेकर पढ़ने की कवायद की जा रही है। नीलामी के बाद भी अभी तक नही बनवाया गया। अभी तक नया विद्यालय का सिर्फ बाउंड्रीबाल ही बनवाया गया। विद्यालय कब्रिस्तान के बगल बने होने के नाते जहरीले जीव जंतु के आने का भय रहता है। यदि विद्यालय नहीं बना तो चुनाव में पोलिंग पार्टियों के साथ फोर्स को रहने के लिए रात भर टेंट में रहना पड़ सकता है। ग्रामीणों ने नया विद्यालय बनवाने की मांग श्रावस्ती जिलाधिकारी से की है।

बदला चौराहा से नानपारा मार्ग पर रोडवेज बस चलाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती गिरंट बाजार क्षेत्र की जनता द्वारा शासन एवं जिलाप्रशासन से लगातार अनुरोध किए जाने के बावजूद भी अभी तक नानपारा गिरंट बदला चौराहा मार्ग पर रोडवेज की बस सेवा प्रारम्भ नहीं हो पाई है । जबकि क्षेत्र की जनता द्वारा नानपारा गिरंट बदला चौराहा मार्ग पर रोडवेज सरकारी बस चलवाने हेतु परिवहन विभाग से भी अनुरोध किया जा चूका है। आज जब इस समय मुख्यमंत्री सतत प्रयासों प्रयाग राज में गंगा के संगम तट पर विशाल कुम्भं मेले का आयोजन किया गया है। इस कुम्भं मेले में प्रयाग राज एवं अयोध्या धाम आदि तीर्थ अस्थालो तक पहुंचने के लिए गिरंट क्षेत्र की जनता को किसी तरह से बहराइच पहुंचकर तब रोडवेज स्टेशन से रोडवेज बस पर सवार होकर पहुंचना व आना जाना पड़ता है। ऐसी दसा में गिरंट क्षेत्र के कृपा राम यादव , राम सुमेर यादव , शिक्षक रमेश यादव , रामचंद्र यादव, संतोष गुप्ता , संतोष शर्मा , दिनेश जायसवाल , समाज सेवी विद्याधर त्रिपाठी , मंटू यादव , अकबाल बहादुर सिंह , भूप सिंह , बाबा दीन मौर्या , राजू मिश्रा , राजेश आदि सहित सभी आम जनता ने गिरंट मार्ग पर रोडवेज बस चलवाने हेतु शासन एवं जिलाप्रशासन से मांग किया है। ताकि क्षेत्र की जनता प्रयाग राज मेला , अयोध्या धाम , देवी पाटंन , व लखनऊ , दिल्ली , कानपूर कासी हरिद्वार आदि स्थानों को आसानी से रोडवेज बस से आ जा सके।

हेलमेट लगाने पर ही मिलेगा पेट्रोल

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती -पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के निर्देशन में प्रभारी यातायात मो. शमीम मय यातायात टीम द्वारा थाना हरदत्तनगर गिरंट अंतर्गत सड़कों पर दो पहिया वाहनों के दुर्घटना के रोकथाम के लिए पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के दो पहिया हेलमेट लगाकर ही दोपहिया वाहन चलाये जाने के प्रति जागरूक किया गया वाहन चालकों को पेट्रोल न दिए जाने के क्रम में गठित टीम के साथ नो हेलमेट नो फ्यूल के अंतर्गत बदला चौराहा तथा मिर्जापुर चौराहा के बीच पेट्रोल पंप पर पेट्रोल पंप संचालक को बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चालकों को फ्यूल ना देने के लिए निर्देशित दिये। आम जनमानस को हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन चलाने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही जनपद के मुख्य मागों, चौराहों व स्थानीय बाजारो मे प्रभारी यातायात द्वारा वाहनो पर निःशुल्क रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाया गया तथा आम जनमानस को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के दौरान सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने हेतु गुड सेमेरिटन के कर्तव्य के प्रति जागरूक किया गया।

थाना हाफिजगंज के ग्राम भंडसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के सप्तम दिन सोमवार को

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा- वृन्दावन धाम से आए कथा वाचक पंडित अमित आनंद जी महाराज ने राजा परीक्षित की मुक्ति की कथा सुनाते हुए कहा गुरू घंटालों ने सनातनियों को भ्रम में डाल दिया है।हमें हमेशा पानी पीना चाहिए छान के गुरू बनाना चाहिए जानके अर्थात श्रीमद्भागवत कथा श्रवण से मानव जन्म-मरण बंधनों से मुक्त हो जाता है।इस दौरान अंशु पांडे, सुमित शर्मा, आचार्य माधव, फौजी सुधीर कुमार सिंह, चन्द्र पाल पटेल , वनबारी कश्यप, उर्मिला देवी, राकेश पाण्डेय, अनुराग पाण्डेय,धर्मेंद्र पटेल, सत्यवीर सिंह,विपेन्द्र सिंह, अरविंद सिंह,बाबू सिंह, चन्द्रपाल कश्यप, शक्ति कश्यप,पवन कश्यप, सहित तमाम भक्त मौजूद रहे।

एडीजे ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ शिव कुमारी द्वारा जिला कारागार बदायूँ का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान ऐसे निरूद्ध बन्दी जो दंण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 436क से अच्छादित हैं तथा अपनी आधी सजा से अधिक समय व्यतीत कर चुके हैं उससे सम्बन्धित बंदियों की सूची व इनकी रिहाई के सन्दर्भ में किये गये कार्यवाही उपलब्ध कराये जाने हेतु अधीक्षक जिला कारागार को निर्देशित किया गया।जिला कारागार बदायूं में पाकशाला एवं समस्त बैरिकों का निरीक्षण किया तथा निरन्तर स्वच्छता बनाये रखने हेतु निर्देशित किया गया जिला कारागार में निरूद्ध बन्दियों की समस्याओं को सुना गया, उनके विधिक सहायता के बारे में पूछताछ की गयी तथा उनको विधिक सहायता हेतु जागरूक भी किया गया इसी कम में नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने, जमानदार उपलब्ध कराने, नियमित रूप से बन्दियों को दवा उपलब्ध कराने, एवं महिला कैदियों से भी एक-एक कर पूछताछ की गयी, निरीक्षण के समय सरोजिनी नायडू वार्ड/महिला कक्ष में 46 महिला बन्दी निरूद्ध है, महिला कैदियों के साथ रह रहे उनके छोटे 04 बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था कराने के लिए निर्देशित किया गया साथ ही जिला कारागार में स्थित चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया गया चिकित्सालय में भर्ती बन्दियों से पूछताछ की गयी व दवाओं का रख-रखाव भी देखा गया।इसके अतिरिक्त 08 मार्च 2025 को आयोजित होने वाली आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में मुकद्दमा दायर होने से पूर्व प्री-लिटिगेशन स्तर पर सुलह समझौते के आधार पर अपने वादों का निस्तारण करा सकते हैं। इसी कम में निरीक्षण के दौरान अधीक्षक, राजेन्द्र कुमार, कारापाल, कुंवर रणजय सिंह, उपकारापाल मो0 खालिद, उपकारापाल, श्रीधर यादव, श्री गणेश चन्द्र चतुर्वेदी चिकित्साधिकारी, डॉ0 हरीश कुमार सिंह, फार्मासिस्ट, गोपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

एसएसपी ने थाना कुवरगाँव का वार्षिक निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच

एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह द्वारा क्षेत्राधिकारी उझानी/नगर श्री शक्ति सिंह के साथ थाना कुवरगांव का निरीक्षण किया गया सर्वप्रथम गार्द द्वारा सलामी दी गई। इस दौरान थाना परिसर में नवनिर्मित मल्टीस्टोरेज बिल्डिंग का निरीक्षण किया गया तथा अतिशीघ्र निर्माणकार्य पूरा करने एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति करने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। तत्पश्चात थाना परिसर में थाना कार्यालय,जी0डी0 कार्यालय, हवालात, मालखाना, बैरक, महिला हैल्प डैस्क,साइबर हेल्प डेस्क,सीसीटीएनएस कक्ष,फैमिली क्वार्टर,मैस आदि का मुआयना किया गया एवं सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी श्री रामेन्द्र सिंह,दिवसाधिकारी उ0नि0 श्री रामेश्वर सिंह,कम्प्यूटर आपरेटर विकास कुमार,कार्यलेख पर हे0का0 818 राजेन्द्र सिंह,महिला हेल्प डेस्क पर म0आ0 2102 मंजू सिंह,संतरी पहरा पर का 806 आयुष मौजूद मिले । महोदय द्वारा थाने के अपराध रजिस्टर,त्यौहार रजिस्टर,महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर,आईजीआरएस रजिस्टर,आर्डर बुक,जनशिकायती रजिस्टर,मालमुकदमाती रजिस्टर तथा मिशन शक्ति रजिस्टर को चैक कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए इस दौरान आईजीआरएस पोर्टल पर अच्छा काम करने वाली महिला आरक्षी रोजी,मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला मुख्य आरक्षी मीना देवी को अच्छा काम करने तथा महिला हेल्प डेस्क पर तैनात म0 का0 मंजू को नगद पुरुस्कार से पुरुस्कृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बदायूँ द्वारा निरीक्षण के दौरान संबंधित को निम्न आदेश-निर्देश दिये गये मिशन शक्ति फेज-05 के अन्तर्गत चलाये जा रहे विभिन्न अभियान, महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण हेतु स्थापित महिला हेल्पडेस्क के प्रभावी क्रियान्वयन व महिला बीट प्रणाली के सुदृढ़ीकरण की कार्यवाही कराये जाने व महिला बीट कर्मियों द्वारा महिलाओं/बालिकाओ को नियमित रुप से जागरुक किया जायें। महिला हेल्पडेस्क का निरीक्षण कर अभिलेखो को चेक कर आवेदिका/आने वाली पीड़िता का नाम, पता, मो0नं0 एवं समस्या का स्पष्ट उल्लेख करने तथा समस्या के निराकरण हेतु की गयी कार्यवाही एवं समस्या के निदान के विवरण का स्पष्ट उल्लेख करने एवं लम्बित महिला सम्बन्धी अपराधों में प्रभावी रुप से कार्यवाही करते हुए उनका शीघ्र निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया थाना स्तर पर प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को गम्भीरतापूर्वक गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण कराया जाये। जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर लम्बित प्रार्थना पत्रों को समयावधि में निस्तारित किया जाये अपराध रजिस्टर का अवलोकन कर लम्बित विवेचनाओं के शीघ्र गुण-दोष के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाये। भूमि-विवाद सम्बन्धित प्रकरणों में राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित कर प्रकरणों को शीघ्र निस्तारण किया जाये।

संक्षिप्त समाचार

शामली में पुलिस ने वांछित वारंटियो के खिलाफ चलाया अभियान 5 आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली शामली में थाना झिंझाना गढी पुख्ताऔर शहर कोतवाली पुलिस ने वांछित वारंटी एनबीडब्लू अभियुक्तो की गिरफ्तारी के लिए चलाए गए विशेष अभियान में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया यह अभियान पुलिस अधीक्षक राम सेवा गौतम के आदेश अनुसार चलाया गया जिसमें जनपद पुलिस ने वारंटियो की की तलाश के दौरान सफल कार्यवाही के दौरान जिसमें किरण पाल पुत्र जय सिंह कृष्णपाल पुत्र जय सिंह निवासी मोहल्ला डेरी चौक कस्बा थाना झिंझाना लोकेश पुत्र ईलमा पंडित वह सुदेश पुत्र ईलमा पंडित निवासी ग्राम शेरपुर थाना धनोरा जनपद अमरोहा तथा मेहरबान पुत्र इस्राईल निवासी मोहल्ला काजीवाड़ा थाना कोतवाली शामली द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मल्हीपुर बैरियर चौराहे से भिनगा जाने वाली सड़क की पटरी पर अतिक्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती जमुनहा तहसील जमुनहा के चौराहे मल्हीपुर बैरियर से भिनगा जाने वाली रोड पर तहसील के पीछे पड़ी हुई जमीन पर दुकानदार मिटटी पाट कर ढाबली रखकर होटल व पान गुटके की दुकान लगाकर बेच रहे है जिसे कई बार प्रशासन ने अतिक्रमणा हटाने के बारे में बताया गया लेकिन दुकानदार अतिक्रमण नहीं हटते है।मल्हीपुर बैरियर लोगों ने की अतिक्रमण हटवाने की मांग-ज्ञातव्य हो कि उप जिलाधिकारी व तहसीलदार जमुनहा प्रभारी निरीक्षक मल्हीपुर मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण को हटाया गया था लेकिन स्थानीय दुकानदारों द्वारा पुन: अतिक्रमण व गुमटी रखकर कर कब्जा कर लिया गया है। चौराहे पर छोटे बड़े वाहन आने-जाने में विशेष परेशानियां होती ह। क्षेत्र के जनप्रतिनिधि पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रहलाद सिंह, बाबूराम गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, क्षेत्र के निवासियों ने अतिक्रमण हटाने की मांग शासन प्रशासन से किया है।

सीएमओ ने हरी झण्डी दिखाकर किए सारथी वाहन रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच

बदायूँ जनपद में सारथी वाहन का शुभारम्भ सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा उनके कार्यालय से किया गया। जनपद स्तर पर 23 जनवरी तक 02-02 सारथी वाहन 04 दिन तक संचालित किया जायेगे, जो जनपदीय मुख्यालय क्षेत्र के साथ-साथ ऐसे स्थान में चलाया जायेगा जहां अर्बन स्लम, झुग्गी झोपड़ी तथा अर्बन पुअर निवास करते हा। इसी प्रकार ब्लाक स्तर पर भी सारथी वाहन संचालित किये जायेगें। जो नगरीय क्षेत्र व समस्त ब्लाक के राजस्व ग्रामों में परिवार नियोजन संबंधी जानकारी देते हुए प्रचार-प्रसार करेंगे। इस अवसर पर डॉ0 श्रीमोहन झा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ0 निरंजन सिंह नोडल अधिकारी परिवार नियोजन, डॉ0 पवन जायसी उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

धन्नड के दशहरा मैदान पर यू.का.विषय पर जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप द्विवेदी

पीथमपुर सेक्टर नंबर 1 के ग्राम धन्नड में अनुविभागीय अधिकारी प्रमोद कुमार गुर्जर, नगर पुलिस अधिक्षक विवेक गुप्ता, तहसीलदार जयेश प्रतापसिंह पटवारी प्रशान्त त्रिपाठी एवं नगर पलिका अधिकारी एवं प्रशिक्षित दल द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम के लगभग 600 ग्रामिणों का यूनियन कार्बाइड के कचरे को निष्पादन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमे यूनियन कार्बाइड का कचरा क्या है, इस कचरे को जलाना क्यो आवश्यक है, इस कचरे को पीथमपुर मे ही क्यो जलाया जा रहा है, पीथमपुर प्लान्ट मे कचरे को जलाने के लिय किस किस प्रकार की सुविधाये है, क्या 2015 मे इस कचरे को सेम्पल के रूप मे जलाया गया इसके क्या परिणाम थे, कचरे को जलाने में कौन कौन सी गैस अथवा पदार्थ निकलते है, कचरा जलाने से पर्यावरण एवं आमजन के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पडेगा,
क्या अवशेष को सुरक्षित रूप से दफनाया जावेगा, कचरा जलाने की मॉनिटरिंग कैसे की जावेगी आदी की विस्तृत जानकारी प्रशिक्षित दल के सदस्यों द्वारा दी जाकर ग्रामिणों के भ्रामियों को दूर किया गया । इसी प्रकार आज भी नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 01 के सिलोटिया मे लगभग 200 ग्रामिणो को नगर पुलिस अधिक्षक श्री विवेक गुप्ता, तहसीलदार श्री जयेश प्रतापसिंह एवं इस कार्य हेतु गठित दर द्वारा जनसंवाद के माध्यम से युनियन कार्बाइड के कचरे को निषादन के संबंध मे समझाईश दी गई । ग्रामिणो मे फैल रही भ्रामियों को दूर किया गयां ।इस अवसर पर ग्रामिणो द्वारा कई सवाल पूछे गये सवालो के जवाब नगर पुलिस अधिक्षक श्री विवेक गुप्ता द्वारा दिये जाकर ग्रामिणो को समझोइश दी गईं एव सन्तुष्ट किया गया ।

इसी अभियान मे नगर पालिका पीथमपुर सी.एम.ओ. निशिकान्त शुक्ला के निर्देश अनुरूप नगर के विभिन्न आठ झोनों पर झोन प्रभारी व अपने स्टॉप के साथ वार्डो मे घुमकर जनसंवाद से संबंधित पर्चों का वितरण घर घर जाकर बस स्टैण्ड झोन द्वारा 300, डाक बंगला पर 280, सागौरझोन पर 150, धन्नड झोन पर 250, छत्रछाया झोन पर 270, हाउसिंग झोन पर 285, खेडा झोन द्वारा 275 एवं बगदून झोन द्वारा 250 पर्चों का वितरण अपने अपने वार्डो मे किया गया । सभी झोन प्रभारियों द्वारा अपने वार्डो मे ग्रुप मे जाकर 20 से 25 व्यक्तियों को युनियन कार्बाइड के निषादन के संबध मे समझाईश दी एवं उनके प्रश्नों के उत्तर दिये।

साथ ही यूनियन कार्बाइड के कचरे को निष्पादन के संबंध मे विस्तृत जानकारी दी गई जिसमे यूनियन कार्बाइड का कचरा क्या है, इस कचरे को जलाना क्यो आवश्यक है, इस कचरे को पीथमपुर मे ही क्यो जलाया जा रहा है, आदी प्रश्नों के उत्तर झोन प्रभारियों द्वारा निकाय के विभिन्न वार्डो मे घर घर घुम कर आम जनता के प्रश्नो के उत्तर दिये ।आज स्वय सेवी संस्थाओं के जरिए भी जागरूकता अभियान चलाया गया । शासकीय माध्यमिक विघालय पीथमपुर मे प्रधान अध्यापक वंदना अययर द्वारा कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के दिए निर्देश के अंतर्गत यूका का कचरा दहन के संबंध मे जन संवाद का आयोजन कियागया। जिसमे करीब 70 से 80 लोगो ने सहभागिता की। आईसर कंपनी के द्वारा संचालित एनजीओ और शिक्षा के क्षेत्र मे काम करने वाली संभाव संस्था के साथ मिलकर आस पास के लोगो को जागरूक किया गया ।उनके पश्नो के उत्तर रिए गए। जनसंवाद पिछले दो दिन से शासकिय माध्यमिक विघालय पीथमपुर मे संचालित किया जा रहा है। शाला म अध्ययनरत विध्यार्थियों ने अपने अपने घरो मे जागरूकता अभियान के साथ अपने माता पिता आस पडोस के लोगो को समझाने का संकल्प लिया गया । संभाव संस्था के प्रोजेक्ट को आर्डिनेटर योगिता एवं साथी एं हॉप एजुकेशन एवं हैंड के ट्रेनर के सहयोग एवं संस्था के प्रधान अध्यापक वंदना अययर एव शिक्षक साथी निर्देशन में यह कार्य किया गया ।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील दातागंज में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने तहसील दातागंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को शिकायतों का गंभीरतापूर्वक व समयबद्ध निस्तारण करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण मा0 मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकताओं में है। इस अवसर पर 52 शिकायती व प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 02 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी ने गत सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के सम्बंध में शिकायतकर्ता को फोन करवाकर उनकी संतुष्टि भी जानी। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील दातागंज के ग्राम घिरोर की निवासी एक महिला ने जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया कि लगभग 2 वर्ष पहले करंट लगने से उसके पति की मृत्यु हो गई थी। उसने किसान दुर्घटना क्लेम का फॉर्म भरा था, लेकिन उसको निरस्त कर दिया गया है। उसने निरस्त फार्म की जांच करवाने की अपील की। जिस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम दातागंज को अग्रेत्तर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। तहसील दातागंज के मोहल्ला अरेला वार्ड नंबर 13 निवासी ओम प्रकाश गुप्ता ने जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया कि उसके विद्युत का बिल अत्यधिक आता है उसमें बिल में सुधार के लिए उसने प्रार्थना पत्र भी पर दिया था लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। जिलाधिकारी ने शिकायत को गंभीरता पूर्वक लेते हुए संबंधित अधिशासी अभियंता विद्युत विभाग को प्राथमिकता पर कार्रवाई कर आख्या प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। तहसील दातागंज के ग्राम पंचायत कूठा कुथिया सुल्तानपुर निवासी विकास शर्मा ने जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया कि उसके ग्राम पंचायत में नाला निर्माण का कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि नाला निर्माण में ग्राम प्रधान द्वारा घटिया सामग्री, पीले ईटों आदि का प्रयोग किया जा रहा है। उसने इसकी जांच कराने की मांग की। जिस पर जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी दातागंज को प्राथमिकता पर जांच कर आख्या प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर चकरोड पर से अवैध कब्जा हटवाने, भूमि की पैमाइश कराने सहित विभिन्न विभागों से सम्बंधित 52 शिकायती व प्रार्थनापत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 02 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया तथा शेष के गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

Mix these things with aloe vera and apply them to your hair, you will have long hair till your waist

If you mix aloe vera with other natural things and apply it to your hair, it can be even more effective. Here are some things that you can mix with aloe vera and apply to your hair. Hair adds to everyone's beauty. Be it a boy or a girl, everyone's hair is very important. But due to pollution, hair is getting damaged a lot. In such a situation, hair fall, graying of hair, dry hair is quite common. Aloe vera can help you get rid of these problems. If you want to use aloe vera in your hair, then mix some things in it. Here we are going to give you information about this, which things you can use by mixing them in aloe vera. By using these things, the hair will become very soft and will become longer than the waist. Aloe vera and honey - The mixture of aloe vera and honey helps in mitiig the moisture of the hair and reducing dandruff. Honey has antioxidant, antibacterial and antifungal properties, which make hair soft and shiny. To use it, take 2 tablespoons of aloe vera

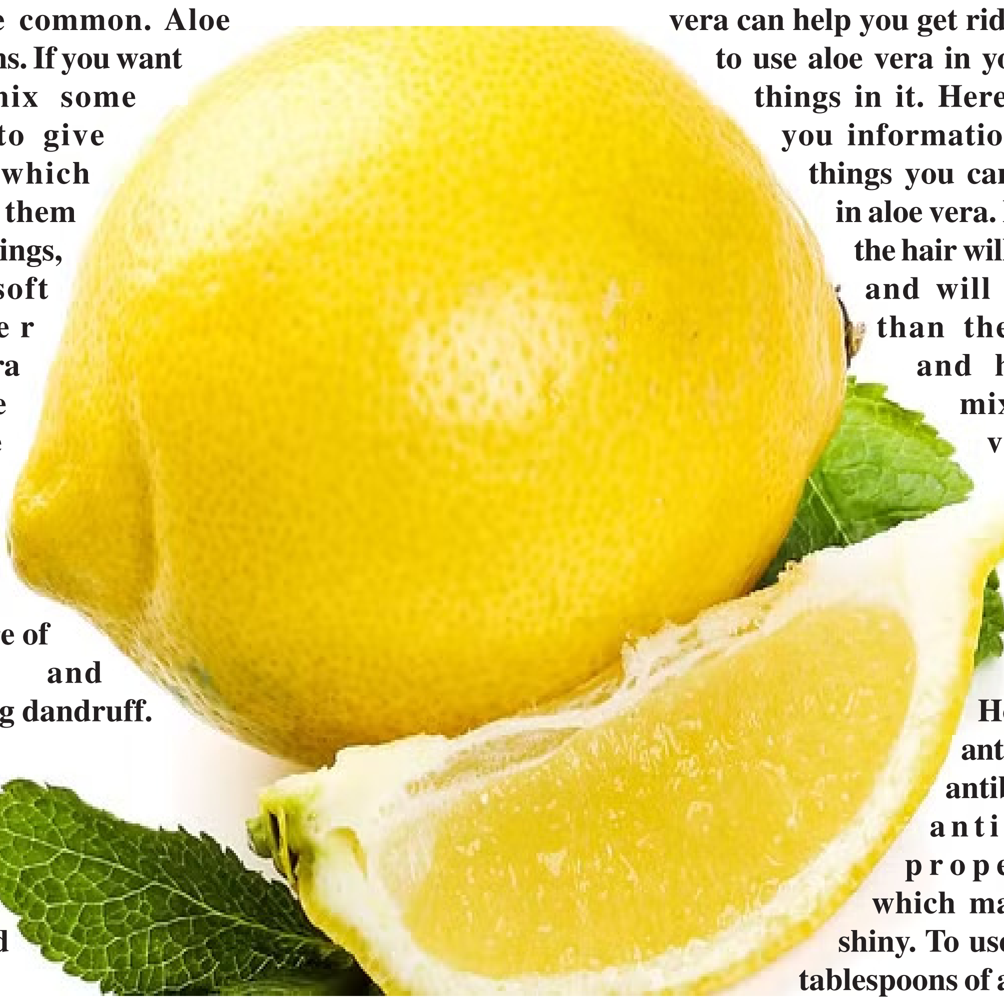

gel and mix 1 tablespoon of honey in it. Apply this mixture on the roots and ends of the hair. Wash hair after 20 minutes. Aloe vera and coconut oil - Coconut oil promotes hair growth and provides nourishment to the hair. It brings shine to the hair as well as makes them stronger. This mixture mixed with aloe vera can increase hair growth. Mix 1 tablespoon aloe vera gel and 2 tablespoons coconut oil well. Apply this mixture to the roots of the hair and massage. Wash hair after 30 minutes. Aloe vera and lemon - Vitamin C and antioxidants present in lemon help in making hair healthy and shiny. Apart from this, it helps in removing excess oil and dirt present in the hair. You can also control dandruff by mixing lemon with aloe vera. Mix 2 tablespoons aloe vera gel and 1 tablespoon lemon juice. Apply it to the roots of the hair and leave it for 15-20 minutes. Then wash the hair. Aloe vera and curd - Curd contains protein and lactic acid, which nourishes the hair and makes the hair soft. It can also prevent hair fall and cools the scalp. To use it, mix 2 tablespoons aloe vera gel and 2 tablespoons curd well. Apply this paste to the hair and leave it for 20 minutes. Then wash the hair with water. Aloe vera and fenugreek seeds - Fenugreek seeds are a good natural remedy for hair. It contains protein and nicotinic acid which prevent hair loss and increase their growth. The mixture of aloe vera and fenugreek helps in keeping the hair healthy and free from hair fall. Soak 1 tablespoon fenugreek seeds in water overnight. In the morning, grind the fenugreek seeds and make a paste. Mix 2 tablespoons of aloe vera gel and apply it on the hair. Wash after 30 minutes.

Before saying yes to marriage, definitely ask these questions to your future partner

After marriage, you have to spend a lifetime with your partner, so it is important that both of you understand and know each other well. The relationship of marriage is very special for any boy and girl. Before getting into this new relationship, everyone has many questions in their heart. Especially if the marriage is an arranged marriage, then both the boy and the girl are very nervous. Actually, in arranged marriages, the partner for marriage is selected by the families of the boy and the girl. The role of the families is prominent in this process, and often parents, relatives or other people of the society propose marriage between the two parties. When the matter moves forward, the boy and the girl are introduced. In such a situation, both have many questions in their mind, whose answers they want. If you are also going to meet your future partner, then definitely ask them some questions. This will strengthen the relationship and will keep it transparent. Is there any pressure for marriage? This question is considered to be the most important,

because in India, boys and girls often agree to get married for the happiness of their family. In such a situation, do ask this question to your future partner in casual conversation. When they are answering this, understand their gestures. If the answer is that there is no pressure, then it is good, but if someone says that there is pressure from the family, then end the conversation peacefully without making a fuss. What is your attitude towards career? After marriage, you and your partner will have to respect each other's career and work priorities. In such a situation, this question helps to know how important your partner's career is and how they think of handling their work. What are your life goals and dreams? This question will help to know what your partner thinks about personal and professional goals, and whether they want to share their dreams with you. It is not necessary that everyone's dreams are according to yours, so never judge anyone by their dreams. What is the importance of trust and honesty in a relationship for you? No relationship can last long without trust and honesty. In such a situation, with this question you can know how important these values ??are for your partner and how much emphasis they give on it. What are your views about spending money? Everyone has different views when it comes to money. Some people like to spend more, while some people want to save. In such a situation, this question will help you know the spending pattern of you and your partner and it will decide whether your spending patterns match or not. After this question, you will not have any problem in the future. How is your relationship with your family and friends? Marriage is not only a union of two individuals, but also of both families. This question helps to know what is the relationship of your partner with family and friends, and how much time you will get a chance to spend with your family.

Symptoms of heart attack are different in men and women, if these signs are ignored then life can be lost

Health experts say, whether men or women, all people can be at risk of heart attack. Studies show that women are more at risk of heart attack than men. But do you know that the symptoms of heart attack are different in men and women? Heart disease is one of the leading causes of death worldwide. In severe cases of heart disease, the risk of heart attack increases which is considered fatal. If we look at the data of the year 2021 alone, it is known that more than 20 million people died due to heart attack. If we look at the data of the last few years, it is known that now the risk of heart attack is increasing even in people under the age of 30. Given its risks, people of all ages should keep paying serious attention to heart health. Health experts say, whether men or women, all people can be at risk of heart attack. Studies show that women may be more at risk of heart attack than men. Not only this, the risk of death from heart attack is also higher in women. But do you know that the symptoms of heart attack are different in men and women? Heart attack in men and women According to the report of the American Heart Association, one person is suffering from a heart attack every 40 seconds. Heart disease is the leading cause of death in both men and women. When blood circulation does not reach your heart or is interrupted due to some reason, the heart muscles do not get enough oxygen. Without oxygen, the cells start getting damaged and there is a risk of them dying. Let us know what are the symptoms of heart attack in men and women and how can it be identified? What happens in case of a heart attack? In case of a heart attack, you may feel pain, pressure or discomfort in your chest. Apart from this, you may also experience problems like difficulty in breathing, sweating, fainting or stomach pain. Sometimes the pain in the chest can also spread to your neck, jaw or shoulders. In case of a heart attack, men are more likely to have cold sweats and pain in the left hand. But it is not necessary

that the symptoms are the same in men and women. Let us know how to differentiate the symptoms of heart attack in men and women? Symptoms of heart attack in women Women are more likely to develop unusual symptoms of heart attack. Health experts say that in many cases, due to not being able to identify the symptoms properly, there may be a mistake in diagnosis, due to which the risk of increasing the severity of the disease has been seen more. According to a review of studies conducted in the year 2023, both men and women experience chest pain and pain in different parts of the body in case of a heart attack. Nausea and vomiting Shortness of breath Excessive sweating-dizziness What symptoms are seen in men? Chest pain, difficulty in breathing, pain in the hand, jaw, neck or back are very common symptoms of heart attack in men. Apart from this, cases of difficulty in breathing are seen more in men. If you are having problem of excessive sweating along with such problems, then it is considered a heart attack. Health experts say that heart attack is an emergency situation. Looking at its symptoms, it becomes very important to get treatment on time. Delay in treatment can be fatal.

Neha Malik bought another house in Mayanagari, shared the video and gave the home tour to the fans

Famous actress and model Neha Malik has bought another house in Mumbai. She has shared the photos of the new house with the fans. Every star who comes to Mumbai to try his luck in the world of acting dreams of buying a house in that city. Buying a house in this dream city called Mayanagari is not an ordinary thing. At the same time, actress, model and social media personality Neha Malik has bought another house in the same city. Let us mention that this is not her first, but her third house. She has already bought two houses. Shared inside pictures- Neha Malik is a popular personality on social media. She often gathers discussion on Instagram with her bold and stylish pictures. She has told through her recent Insta post that she has bought a new house in Mumbai. She has also shared glimpses of it. Along with this, she has given the home tour to the fans by sharing the video on YouTube. Neha herself has confirmed that this is her third house in the city. Pictures shared with mother- Neha Malik has shared photos with her mother Manju Malik. Along with this, she wrote, 'This is your house... This is my house... You should also see the pictures of our new house'. Fans are congratulating Neha on buying a new house in the new year. One user wrote, 'Very beautiful pictures'. Another user wrote, 'Congratulations on the new house, keep progressing like this.' Who is Neha Malik? Neha Malik is often in the limelight for her bold look. She is a popular actress of Bhojpuri and Punjabi cinema. Apart from this, she has also been seen in Hindi films. Her popularity on Instagram can be gauged from the fact that four million people follow her on this digital platform. Neha often makes headlines with her sizzling look.

Junaid did special preparation to play his character in 'Loveyapa', know what he did?

Junaid Khan has done a lot of special preparation to play the character of a local Delhi boy in his upcoming film Loveyapa. Let's know what he has done to bring this character to life?

Junaid Khan and Khushi Kapoor are going to be seen on screen as a new pair. This film is also creating tremendous excitement among the fans because his 'Loveyapa' is directed by Advait Chandan. Earlier he has made films like Secret Superstar and Lal Singh Chaddha. Junaid did special preparation for the character - The film is going to be released on February 7. An interesting information has come to light before its release. If the news published in many news portals is to be believed, Junaid has worked very hard for this film. According to media reports, Junaid Khan spent three months in Delhi to fully bring his character to life in the film. Played the role of a Delhi boy- In the film, he had to play the role of a local Delhi boy. For this, he spent time in the streets of Delhi. He talked to the local people and imbibed their gestures and spoken language. Junaid not only understood the dialect of Delhi, but also experienced their way of living by visiting different parts of the city. Junaid saw Delhi life closely- According to media reports, from the hustle and bustle of Chandni Chowk to the peace of Lodhi Garden, Junaid experienced various aspects of Delhi, which helped him in playing his character. Recently, the trailer of Loveyaapa was released. After watching it, people are hoping that they will get to see good comedy and drama in the film. However, only time will tell whether this film will live up to people's expectations or not.

Bosco Martis taught Asha Bhosle the steps of 'Tauba Tauba', shared the video on social media

The video of singer Asha Bhosle's dance on the song 'Tauba Tauba' went viral on social media. Now the choreographer of the song, Bosco Martis, has come to meet Asha Bhosle. Singer Asha Bhosle has danced with 'Tauba Tauba' choreographer Bosco Martis. The video of this has been shared by the choreographer himself on his Instagram. Actually, the legendary singer surprised everyone with her performance on this song during her concert in Dubai. Taught dance steps to Asha Bhosle-Bosco taught the legendary singer the hook step of 'Tauba Tauba', which she originally choreographed for the film Bad News starring Vicky Kaushal. Bhosle also asked her to show the original steps and she did so. He has shared this cute video. Bosco Martis shared the post- Bad News director Anand Tiwari reacted to Bosco's Instagram post and commented, "Sir hum jeet gaye." In December 2024, Dharma Productions, which produced Bad News, also shared a video of Asha Bhosle doing the hook step of 'Tauba Tauba' during her concert. Discussion about the video- In this video shared on Instagram, Asha Bhosle is seen singing Karan Aujla's song Tauba Tauba during her concert. Not only did she add her charm to the song, but she was also seen dancing to the track while doing the viral hook step. Asha Bhosle mesmerized the audience with her performance and they were heard cheering for her. The video was shared with the caption, "Karan Aujla and Vicky Kaushal must watch this!" Karan Aujla reacted-Karan Aujla also reacted to the video and wrote, "Asha Bhosle ji, the living goddess of music, just sang Tauba Tauba... a song written by a kid who grew up in a small village with no musical background and no musical experience." He further added, "This song has received a lot of love and recognition not only among fans but also music artists, but this moment is truly iconic and I will never forget it. I am truly blessed and grateful. It has really inspired me to keep giving such tunes to all of you and create more memories together."